www.dainikjayantnews.com
देहरादून
सोमवार : 22 जून 2026
वर्ष: 17
अंक: 57 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

भरत तिवारी एनकाउंटर केस की होगी न्यायिक जांच

- सीएम सम्राट ने दिए आदेश एनकाउंटर या मर्डर हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज करेंगे जांच

आरा (एजेंसी)। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में खबर का बड़ा असर हुआ है। सीएम सम्राट चौधरी ने भरत तिवारी एनकाउंटर मामले की जांच हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज से कराने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि न्यायिक जांच का उद्देश्य घटना के सभी पहलुओं की निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ जांच सुनिश्चित करना है। इस एनकाउंटर के बाद अखबार भरत तिवारी की मौत के जिम्मेदार 4 चेहरों को सामने लाया था। इसके बाद हमने एनकाउंटर को लेकर पुलिस के 5 दावों की हकीकत भी बतलाई थी। हम प्रमुखता से इसे उठाते आए। अब सरकार को न्यायिक जांच के आदेश देने पड़े हैं। एनकाउंटर मामले में पुलिस ने अलग-अलग 2 एफआईआर दर्ज की है। पुलिस पर आरोपी को संरक्षण देने के आरोप में दर्ज की गई है।

पंजाब के निहंगों ने उत्तराखंड में गुरुद्वारे पर किया कब्जा

कहा-घुसने वाले को काट देंगे, एसपी समझाने पहुंचीं तो धमकी दी

रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली स्थित कर्णप्रयाग में 16 जून को हुए विवाद के बाद शनिवार देर शाम रुद्रप्रयाग के नगरासू स्थित गुरुद्वारे में पंजाब से आए निहंगों ने कब्जा कर लिया। उन्होंने दो लोगों को बंधक भी बनाया। हालांकि, विवाद बढ़ने पर निहंगों ने एक व्यक्ति को छोड़ दिया, जबकि एक सेवादार को बंधक बनाए रखा। निहंगों ने चेतावनी दी है कि गुरुद्वारे में घुसने वाले को काट देंगे। रविवार सुबह रुद्रप्रयाग के डीएम विशाल मिश्रा निहंगों से बातचीत करने पहुंचे, लेकिन उन्होंने बाचचीत से इनकार कर दिया। इससे पहले एसपी निहारिका तोमर ने दो दौर की बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन बाचचीत विफल रही। गुरुद्वारे के सेवादारों ने बताया कि इस दौरान निहंगों ने एसपी निहारिका तोमर को धमकी दी। सेवादारों के मुताबिक, प्रशासन ने निहंगों को बातचीत के लिए बुलाया, लेकिन उन्होंने नीचे आने से इनकार कर दिया। उन्होंने एसपी से कहा कि यदि कोई ऊपर आया तो उसे काट देंगे।

सिर्फ चुनाव कराना काफी नहीं, मतदाता को मिले सुरक्षा

- चुनाव आयोग की भूमिका पर फिर सवाल, कांग्रेस ने घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में दिए गए फुटपाथ पर चलने के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित किए जाने के फैसले का उदाहरण देते हुए यह तर्क दिया है कि अब मतदान के अधिकार को भी यह दर्जा मिलना चाहिए। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि शुक्रवार, 19 जून 2026 को सुप्रीम कोर्ट की दो जजों वाली पीठ ने फुटपाथ पर चलने के अधिकार को भारत के संविधान के तहत एक मौलिक अधिकार घोषित किया। संविधान सभा ने सरदार पटेल की अध्यक्षता में मौलिक अधिकारों, अल्पसंख्यकों तथा जनजातीय एवं अपवर्जित क्षेत्रों पर एक सलाहकार समिति का गठन किया था। मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाने के प्रश्न पर चर्चा हुई।

योग दिवस पर भारतीय नौसेना का अनूठा प्रदर्शन

- पानी के अंदर योग मुद्राएं कर दिखाई अनुशासन-एकाग्रता की ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। तीनों भारतीय सेनाओं ने भी योग कार्यक्रम आयोजित किए, लेकिन भारतीय नौसेना विशाखापत्तनम में योग का एक अनोखा प्रदर्शन किया। आईएनएस सतवाहन में शनिवार को एक अनूठे अंडरवॉटर योग (पानी के भीतर योग) सत्र का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में यूनिट के 40 कर्मियों ने भाग लिया और पानी की सतह के नीचे कई योगासन कर अपनी एकाग्रता, श्वास नियंत्रण, सहनशक्ति और मानसिक संतुलन का शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय नौसेना के अनुसार, इस कार्यक्रम का संचालन नौसेना के ही योग विशेषज्ञों ने किया और इसका नेतृत्व लेफ्टिनेंट कमांडर आरुष शर्मा ने किया। यह कार्यक्रम भारतीय नौसेना की स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता तथा फिटनेस के क्षेत्र में नवाचार को अपनाने के संकल्प का प्रतीक बना।

इंडियन नेवी में कमीशन हुए तीन स्वदेशी युद्धपोत

- डूनागिरी, संशोधक और अग्रय का समन्दर में हुआ स्वागत
- पीएम बोले-ये भारत के 3 महत्वपूर्ण संकल्पों के प्रतीक

कोलकाता (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर तीन स्वदेश निर्मित नौसैनिक जहाजों को राष्ट्र को समर्पित किया। इनमें एक गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट डूनागिरी, दूसरा एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट अग्रह और तीसरा सर्वे वेसेल लार्ज संशोधक है। कमीशनिंग से पहले नौसेना ने यूट्यूब पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में डुनागिरी को एक शक्तिशाली और उन्नत युद्धपोत बताया। वीडियो में कहा गया, परिशुद्धता। शक्ति। चपलता।

देश अब केवल एक खरीदार नहीं रह सकता – पीएम मोदी ने रक्षा में आत्मनिर्भरता के लिए भारत के जोर को रेखांकित करते हुए कहा कि देश अब केवल एक खरीदार नहीं रह सकता है और इसकी सशस्त्र सेना दुनिया के लिए बाजार नहीं बन सकती है। उन्होंने कहा, ये तीन जहाज भारत के तीन महत्वपूर्ण संकल्पों का भी प्रतीक हैं। इनका निर्माण भारत में हुआ, भारत में डिजाइन हुआ। ये भारतीय उद्योगों की प्रतिभा, भारतीय इंजीनियरों के कौशल और भारतीय श्रमिकों की कड़ी मेहनत का परिणाम हैं और यही नए भारत की सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज दुनिया का अधिकांश व्यापार समुद्री मार्गों से ही होता है। दुनिया को जोड़ने वाले डेटा के विशाल नेटवर्क समुद्र के नीचे से ही गुजरते हैं जिस देश का समुद्री सामर्थ्य मजबूत होगा उस देश का आर्थिक और रणनीतिक प्रभाव भी उतना मजबूत होगा।

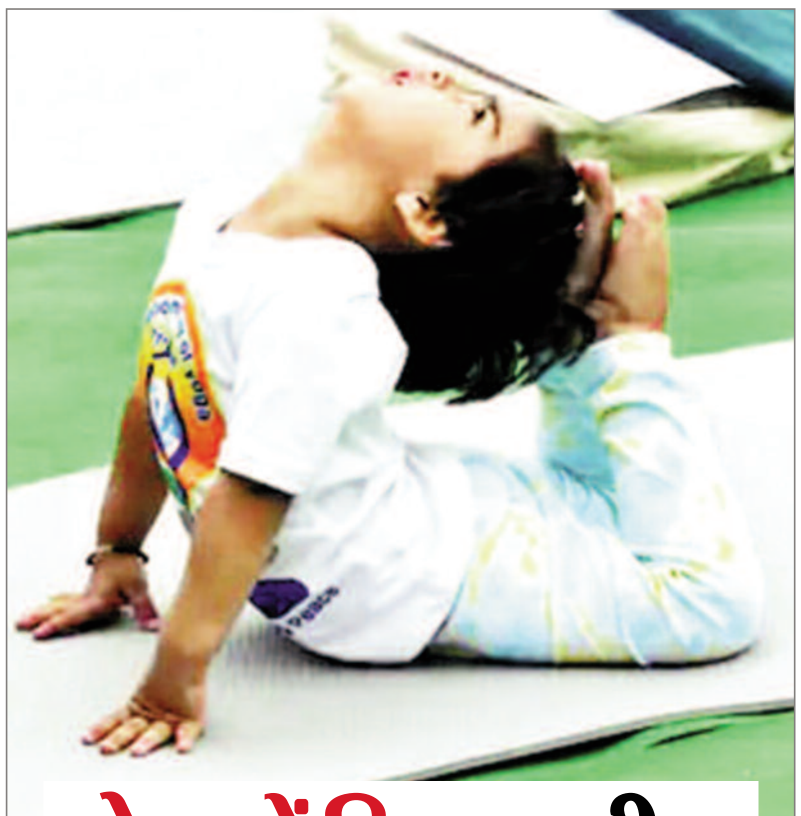

योग में हिट, शरीर और मन दोनों फिट

- पीएम बोले-30 के मुकाबले 50 की उम्र में ज्यादा ऊर्जावान बनें
- मोदी बोले-योग इसमें मददगार, यह सबको जोड़ता है, 5 आसन किए

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कोलकाता के ऐतिहासिक रेड रोड से 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का नेतृत्व किया। इस दौरान पीएम मोदी ने योग को सक्रिय वृद्धावस्था और बेहतर जीवन स्तर के लिए एक अनिवार्य मार्ग बताया।

उन्होंने कहा कि कहा कि पृथ्वी पर सबसे लंबा दिन अब योग के कारण विश्व का सबसे बड़ा सामुदायिक उत्सव बन गया है। पीएम मोदी ने देशवासियों और वैश्विक समुदाय से आह्वान किया कि वे योग को किसी एक दिन तक सीमित न रखकर अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं, ताकि उम्र कभी भी इंसानी क्षमता और लचीलेपन को कम न कर सके।

योग लोगों को एक साथ लाता है

21 जून, जो पृथ्वी पर सबसे लंबे दिन का प्रतीक है, अब योग के कारण सबसे बड़ा सामुदायिक उत्सव दिवस बन गया है। योग लोगों को एक साथ लाता है। मैं इस अवसर पर विश्व के लोगों को बधाई देता हूं। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है। यह किसी भी आयु वर्ग तक सीमित नहीं है। यह मानवीय आत्मा की अभिव्यक्ति है। जब हम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग की बात करते हैं, तो इसका मतलब है कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर सकते हैं कि उम्र मानव क्षमता को कम न करे। योग मानव जीवन को निरंतर विकास की ओर अग्रसर होने में मदद कर सकता है। हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि हम 40 वर्ष की आयु में 20 वर्ष की आयु की तुलना में अधिक लचीले हों।

सख्त नियम चप्पे-चप्पे पर रही नजर

- 51 हजार जैमर्स की जद में देश भर में हुई नीट परीक्षा
- राजस्थान में हिजाब पहनी छात्रा की एंट्री रोकी, विवाद
- कई जगह कलावा-इयररिंग्स उतरवाई, चेन-बटन निकाले

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश भर में नीट-यूजी 2026 का री-एग्जाम संपन्न हो गया है। देशभर के 551 शहरों और विदेश के 14 शहरों में बने 5,440 केंद्रों पर 22.79 लाख से ज्यादा छात्रों ने परीक्षा दी है। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5.15 बजे तक चली। छात्रों को सुबह 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक एग्जाम सेंटरों में एंट्री दी गई। एडमिट कार्ड और पहचान पत्र की जांच के बाद स्टूडेंट्स की तलाशी ली गई। राजस्थान के अजमेर में एक सेंटर पर हिजाब पहन कर आई एक छात्रा को एंट्री नहीं दी गई। काफी बहसबाजी के बाद उसे अंदर भेजा गया। उदयपुर में एक कैंडीडेट की नोज पिन नहीं निकली तो नाक पर टेप चिपकाया गया। मध्य प्रदेश के भोपाल में छात्रों के हाथ से कलावा काटकर हटाए गए।

2 लाख से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात

इस साल 3 मई को नीट-यूजी की परीक्षा हुई थी। लेकिन पेपर लीक के आरोपों के बाद 12 मई को एनटीए ने इसे रद्द कर दिया। अब एजेंसी ने री-एग्जाम कराया है। एनटीए के मुताबिक, री-एग्जाम में पूरे देश के एग्जाम सेंटरों पर 2 लाख से अधिक सुरक्षाकर्मी, 674 सिटी कोऑर्डिनेटर और 6,669 ऑब्जर्वर तैनात किए गए हैं। पेपर लीक रोकने के लिए पहली बार भारतीय वायुसेना के विमान और हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल किया गया है। एयरफोर्स ने 200 से ज्यादा उड़ानें भरकर नीट-यूजी के क्वेश्चन पेपर देशभर के अलग-अलग जोन तक पहुंचाए हैं।

पीएम मोदी ने दिल्ली एयरपोर्ट पर 45 मिनट इंतजार किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार दोपहर 1.15 बजे कोलकाता से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे थे। लेकिन, तुरंत अपने आवास के लिए रवाना होने की बजाय 45 मिनट एयरपोर्ट पर ही रुके रहे। नीट री-एग्जाम दोपहर 2 बजे से शुरू होने वाले थे। ट्रैफिक बाधित न हो और स्टूडेंट्स को एग्जाम सेंटर्स तक पहुंचने में कोई दिक्कत न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए पीएम एयरपोर्ट से 2 बजे के बाद ही रवाना हुए। नीट यूजी री-एग्जाम में मध्य प्रदेश के कई केंद्रों पर सख्ती देखने को मिली। एनटीए के नियम के अनुसार दोपहर 1.30 बजे गेट बंद कर दिए गए। भोपाल के सरोजिनी सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय और पीएमश्री सेंट्रल स्कूल समेत कई केंद्रों पर कुछ छात्र महज 30 से 40 सेकंड की देरी से पहुंचे, जिसके कारण उन्हें एंट्री नहीं मिली। भोपाल और छतरपुर में कुछ छात्र गलत परीक्षा केंद्र पर पहुंच गए। सही केंद्र तक पहुंचते-पहुंचते गेट बंद हो चुके थे।

सीएम योगी के समर्थन में उतरे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

- अयोध्या मामले पर दिया आदित्यनाथ का साथ

शामली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के शामली में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अब सीएम योगी आदित्यनाथ का समर्थन किया है। दरअसल, पिछले दिनों लगातार वे मुख्यमंत्री योगी के खिलाफ बयान देते हैं। गोरक्षा के लिए लगातार यात्रा निकाल रहे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती शामली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान अयोध्या राम मंदिर दान प्रकरण मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ के रुख का समर्थन किया। अयोध्या दान प्रकरण का मामला सामने आने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ पिछले दिनों अयोध्या दौरे पर गए थे। इस दौरान उन्होंने अपने मंच से महासचिव चंपत राय को अलग रखने का निर्णय लिया।

एमपी के प्रमुख मंदिरों की दान व्यवस्था होगी ऑनलाइन

- राम मंदिर चंदा विवाद के बीच मोहन सरकार का बड़ा फैसला
- महाकाल-ओंकारेश्वर समेत सभी प्रमुख मंदिरों में नियम लागू

उज्जैन (एजेंसी)। अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में दान राशि और चढ़ावे को लेकर खड़े हुए हालिया विवाद के बीच मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य में बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। सरकार प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों की दान और प्रबंधन व्यवस्था को ज्यादा सुरक्षित तथा पारदर्शी बनाने की पूरी तैयारी कर रही है। इसके तहत देश के सबसे प्रतिष्ठित और सुव्यवस्थित मंदिरों के मॉडल का अध्ययन किया जाएगा, जिसके बाद उज्जैन के बाबा महाकाल और खंडवा के ओंकारेश्वर सहित सूबे के सभी बड़े देवस्थानों में नई पारदर्शी प्रणाली लागू की जाएगी।

विशेषज्ञ समिति करेगी व्यवस्थाओं का अध्ययन- ओंकारेश्वर प्रवास के दौरान धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, संस्कृति तथा पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने इस नई योजना का खाका सामने रखा। उन्होंने साफ कहा कि श्रद्धालुओं द्वारा पूरी श्रद्धा से चढ़ाए गए दान और चढ़ावे का पारदर्शी प्रबंधन करना सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसके लिए बहुत जल्द एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया जाएगा। यह समिति देश के उन बड़े और वीआईपी मंदिरों का दौरा करेगी जहां का प्रबंधन बेदाग है।

महाकाल और ओंकारेश्वर में मौजूदा स्थिति

वर्तमान व्यवस्था की बात करें तो ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग में दान पेटियों को खोलने का काम पूरी तरह प्रशासनिक अधिकारियों और मंदिर समिति के सदस्यों की संयुक्त मौजूदगी में तय तारीखों पर होता है। इस पूरी प्रक्रिया की बकायदा वीडियोग्राफी कराई जाती है। इसके अलावा शीघ्र दर्शन के जरिए मिलने वाली पूरी राशि सीधे ऑनलाइन खाते में ट्रांसफर होती है। वहीं, उज्जैन में नकद के साथ-साथ ऑनलाइन व्यवस्था है।

बैंक और अलग खाते का पूरा प्लान

सीसीटीवी की लाइव निगरानी में काउंटिंग खत्म होने के बाद बैंक के कर्मचारी इस पूरी धनराशि को सीधे मंदिर के मुख्य खाते में जमा करते हैं। चढ़ावे से मिलने वाले इसी पैसे से भक्तों के लिए मुफ्त भोजनशाला, निर्माण कार्य और समाज सेवा के अन्य प्रकल्प चलाए जाते हैं। मंदिर प्रशासन अब आय-व्यय की पारदर्शिता को एक पायदान और ऊपर ले जाने के लिए अलग-अलग व्यवस्थाओं, जैसे- वीआईपी दर्शन, प्रसाद, दान के लिए सेपरेट एकाउंटिंग सिस्टम विकसित कर रहा है।

सीएम ने किया राजकीय महाविद्यालय दन्या में नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

अल्मोड़ा/ मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को दन्या स्थित रामलीला मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के समस्त क्षेत्रों का समेकित विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास एवं समृद्धि के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है तथा उत्तराखण्ड भी तेजी से प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड को वैश्विक स्तर पर आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है तथा केदारखंड और मानसखंड में पर्यटन गतिविधियों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक राज्य में पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि जागेश्वर धाम के मूल स्वरूप को संरक्षित रखते हुए जागेश्वर मास्टर प्लान के माध्यम से वहां विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्य किए जा रहे हैं। पार्किंग क्षमता बढ़ाने के साथ ही धाम को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार धामों के संरक्षण और विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है तथा आयुर्वेद एवं योग आधारित पर्यटन के क्षेत्र में भी व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ह्यवन डिस्ट्रिक्ट, वन फेस्टिवलह्ल की अवधारणा के तहत मेलों और स्थानीय सांस्कृतिक आयोजनों को नई पहचान दी जा रही है, जिससे स्वरोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं और प्रदेश आर्थिक रूप से लगातार मजबूत हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड को देश का मोस्ट फिल्म फ्रेंडली स्टेट बनने का गौरव प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि नक़ल विरोधी कानून के माध्यम से युवाओं का पारदर्शी भर्ती परीक्षाओं में विश्वास पुनः स्थापित हुआ है तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध राज्य सरकार लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है।केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री श्री अजय टम्टा ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में प्रदेश का समग्र विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना है।

जनसभा के उपरांत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दन्या निवासी पवन पंत के आवास पहुंचे, जहां उन्होंने आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में सहभाग करते हुए कथा का श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की।

मुख्य घोषणाएं

शहीद बीरेश्वर गोस्वामी के नाम पर अल्मोड़ा में भव्य द्वार का निर्माण किया जाएगा।

चमतोला खेल मैदान का निर्माण किया जाएगा।

राजकीय महाविद्यालय गरुड़ाबाँज में मिनी स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा।

जीआईसी गरुड़ाबाँज में चार अतिरिक्त कक्षा–कक्षों का निर्माण किया जाएगा।

प्रेम मंदिर, राधा कृष्ण मंदिर स्थल का सौंदर्यीकरण किया जाएगा।

खेती जटेश्वर मोटर मार्ग के कचौरी नामक स्थान से कलूटा पोलिंग बूथ तक मोटर मार्ग बनाया जाएगा।

राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चगेठी का उच्चीकरण किया जाएगा।

कार्यक्रम में विधायक मोहन सिंह महरा, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमा गैड़ा, दर्जा राज्य मंत्री गंगा बिष्ट, दर्जा राज्य मंत्री कुंदन लटवाल, जिलाधिकारी अंशुल सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर आर घोड़के, भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

ओम सिटी में अवैध पिस्टल दिखाने के दौरान चली गोली, एक घायल

देहरादून। ओम सिटी में देर रात गोली चलने से मची सनसनी के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। फ्लैट में अवैध पिस्टल दिखाने के दौरान गोली चली थी। इसमें एक युवक घायल हो गया था। पुलिस ने मुख्य आरोपी गोपाल शर्मा उर्फ भिंडी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की निशानदेही पर पिस्टल भी बरामद कर ली गई है। आरोपी पर कई मामले दर्ज हैं। पुलिस टीम ने सीसीटीवी टीवी फुटेज खंगाले और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। जांच के बाद अभियुक्त गोपाल शर्मा उर्फ भिंडी को ओम सिटी के बाहर से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह और हंसराज पिछले कई वर्षों से एक–दूसरे को जानते हैं और प्रॉपर्टी डीलिंग का कार्य भी साथ करते हैं। आरोपी के अनुसार हंसराज ने उसे नया हथियार दिखाने के लिए फ्लैट पर बुलाया था और पिस्टल 65 हजार रुपये में खरीदी गई थी। जांच के दौरान अचानक ट्रिगर दबने से गोली चल गई और हंसराज घायल हो गया।

बीआरओ की धीमी रफ्तार से बरसात में हो सकती दिक्कत

उत्तरकाशी। मानसून सीजन को लेकर गंगोत्री हाईवे पर बीआरओ की ओर से तैयारी शुरू ही नहीं की गई। गत वर्ष की आपदा के दौरान क्षतिग्रस्त मार्गों पर धीमी गति से चल रहा कार्य आगामी मानसून में बड़ी मुसीबत बन सकता है। भटवाड़ी में गंगोत्री हाईवे इसी माह दो बार अवरुद्ध हो चुका है। देहरादून से पहुंचे तीर्थयात्री आशुतोष, अभिनव सिंह व सुभाष रावत ने बताया कि उत्तरकाशी से लेकर हर्षिल के बीच गंगोत्री हाईवे की बदहाल स्थिति बनी हुई है। समय पर मरम्मत का कार्य शुरू नहीं किया गया तो बरसात में दिक्कत हो सकती है। नेताला में वर्षों से भूस्खलन जोन का मरम्मतीकरण नहीं हो पाया है। हल्की बारिश में भी सड़क पर पहाड़ी से मिट्टी गिर रही है जिससे दलदल की स्थिति बनी हुई है। दोपहिया और छोटे चौपहिया वाहन कीचड़ में फंस रहे हैं। भटवाड़ी और चड़ेथी के बीच भी गत वर्ष आपदा के दौरान क्षतिग्रस्त सड़क की स्थिति भी दयनीय बनी है। वहां पर और लिम्चागाड में क्षतिग्रस्त सड़क पर धीमी गति से हो रहे कार्य बरसात तक पूरे नहीं हो पाएंगे। साथ ही भटवाड़ी में इस माह भी दो बार सड़क पर बोल्डर गिरने से आवाजाही अवरुद्ध हो चुकी है। दूसरी ओर डबरानी और सोनगाड़ में दोबारा सड़क के बहने का खतरा बना हुआ है।

सिल्ला गांव में जर्जर अस्पताल भवन से बना हुआ है खतरा

उत्तरकाशी। भटवाड़ी विकासखंड के दूरस्थ सिल्ला गांव में स्थित आयुष हेल्थ व वेलनेस केंद्र का भवन लंबे समय से जर्जर होने के कारण हादसों को न्योता दे रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि करीब दस वर्ष पूर्व भवन का निर्माण करीब 65 लाख की लागत से किया गया था। उसके बाद भी विभाग इस पर कई बार मरम्मतीकरण के नाम पर लाखों की धनराशि खर्च कर चुका है लेकिन विभागीय लापरवाही कभी भी किसी बड़ी अनहोनी का कारण बन सकता है। ग्राम प्रधान सिल्ला सुमित्रा रावत, विनोद रावत, रविंद्र सिंह, अनिल सिंह आदि का कहना है कि वर्ष 2016–17 में भटवाड़ी विकासखंड के दूरस्थ सिल्ला, भेलाटिपरी पिलंग, जौड़ाऊगांव की स्वास्थ्य सुविधा के लिए इस अस्पताल का निर्माण किया गया था। उस समय इसके भवन का निर्माण करीब 65 लाख की लागत से किया गया था। उसके बाद कई बार विभाग की ओर से मरम्मतीकरण के नाम पर लाखों की धनराशि खर्च की जा चुकी है लेकिन आज भवन की स्थिति जर्जर हो चुकी है। रावत ने बताया कि हर दिन अस्पतालकर्मियों के साथ ग्रामीण उपचार के लिए पहुंचते हैं। ऐसी स्थिति में भूकंप के हल्के झटके सहित तेज बरसात में यह कभी भी किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में कई बार विभागीय अधिकारियों और प्रशासन को जानकारी दी गई लेकिन आज तक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने कहा कि अगर जल्द ही भवन की स्थिति नहीं सुधारी जाती है तो उन्हें आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

हाईटेंशन बिजली लाइन का ग्रामीणों ने किया विरोध

उत्तरकाशी। डुंडा में ब्रह्मखाल क्षेत्र के अंतर्गत हरेती और कल्याणी गांवों के बीच बिछाई जा रही 11 केवी हाईटेंशन बिजली लाइन का ग्रामीणों ने कड़ा विरोध किया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह लाइन मकानों और कृषि भूमि के अत्यंत निकट से गुजर रही है जिससे भविष्य में बड़ी दुर्घटना होने की आशंका है।

ग्रामीणों का आरोप है कि उनकी शिकायतों और आपत्तियों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। आरोप है कि हाईटेंशन तारों की दूरी सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं है और इससे गांव के लोगों की जान माल को खतरा हो सकता है। उन्होंने विभाग से जल्द से जल्द लाइन को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की है।

बदरीनाथ धाम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उत्साह

गोपेश्वर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर श्री बदरीनाथ धाम में भव्य एवं प्रेरणादायक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

श्री बदरीनाथ मंदिर परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में एसडीआरएफ आईटीबीपी, पुलिस प्रशासन, हक–हकूकधारी एवं पंडा समाज, स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों एवं स्थानीय नागरिकों ने संयुक्त रूप से सहभागिता कर योगाभ्यास किया।

योग के महत्व को किया आत्मसात

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास करते हुए योग के महत्व को आत्मसात किया तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने योग को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए इसे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर श्री बदरीनाथ मंदिर के रावल जी ने भी उपस्थित सभी श्रद्धालुओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने आशीर्वचन प्रदान करते हुए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने योग को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मन एवं आत्मा को भी संतुलित और सशक्त बनाता है। उन्होंने सभी से नियमित योगाभ्यास अपनाने का आह्वान किया तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन के लिए योग के महत्व पर प्रकाश डाला।

देहरादून में कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई नीट

देहरादून। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) रविवार को देहरादून में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा को सकुशल कराने के लिए दून पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने स्वयं विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

जनपद में कुल 16 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित नीट परीक्षा के दौरान प्रत्येक केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। परीक्षा में शामिल होने पहुंचे सभी अभ्यर्थियों की सघन जांच की गई और पूरी चेकिंग के बाद ही उन्हें परीक्षा कक्ष में प्रवेश की अनुमति दी गई।

काले जादू का डर दिखाकर महिला से ठगी

देहरादून। प्रेमनगर थाना क्षेत्र में सीमा तलवार ने खुद को पुजारी बताने वाले राहुल थापा पर अंधविश्वास फैलाकर और परिवार को काला जादू व बुरी शक्तियों का भय दिखाकर दो लाख रुपये ठगने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है।

आरोपी पर सेलाकुई और कैंट थाने में पहले ही मामले दर्ज हैं और सेलाकुई में 65 तोला सोना ठगने के मामले में वह जेल में बंद है। प्रेमनगर निवासी सीमा तलवार ने शिकायत में बताया कि राहुल थापा खुद को एक मंदिर का पुजारी बताता था और लोगों को धार्मिक अनुष्ठानों के नाम पर झांसे में लेने का काम करता था। आरोप है कि राहुल ने उनके परिवार को बताया कि उनके घर पर बुरा साया, काला जादू और नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव है। तत्काल विशेष पूजा और हवन नहीं कराया गया तो परिवार पर बड़ा संकट आ सकता है। डरकर परिवार ने राहुल थापा के कहने पर विशेष हवन और पूजा का आयोजन कराया। इस दौरान राहुल ने पूजा–अनुष्ठान के नाम पर कुल दो लाख रुपये नकद लिए। यह रकम 50–50 हजार रुपये के चार अलग–अलग लिफाफों में उसे सौंपी गई थी।सीमा तलवार ने बताया कि गत नौ जून की शाम उनके घर पर हवन कराया गया ।

'प्रकृति के सफाईकर्मी' की पहाड़ों पर वापसी

यमकेश्वर। पौड़ी जिले के यमकेश्वर ब्लाक में करीब 15 वर्ष बाद गिद्धों की बहुतायत में मौजूदगी देखने को मिल रही है। विशेषज्ञ पारिस्थितिक तंत्र में इस शिकारी पक्षी की मौजूदगी को अच्छा संकेत मान रहे हैं। अच्छी बात यह है कि राजाजी नेशनल पार्क क्षेत्र में भी गिद्धों की संख्या बढ़ी है।

वर्षों पहले गिद्ध गांवों के आसपास झुंड में नजर आते थे, लेकिन फिर यह अचानक गायब हो गए। गिद्ध को प्रकृति का सफाईकर्मी माना गया है। यह मरे हुए जानवरों को खाता है, जिससे परिवेश में फैलने वाली गंदगी भी समाप्त हो जाती है।

लेकिन, इनके गायब होने से पारिस्थितिक तंत्र भी प्रभावित हुआ। सुखद यह है कि इन दिनों यमकेश्वर ब्लाक के सैंज गांव और माता श्याम सुंदरी की पहाड़ी पर बड़ी संख्या में गिद्ध दिखाई दे रहे हैं। ग्रामीण मुकेश और कृष्णपाल ने बताया कि उन्हें एक सप्ताह पूर्व आसमान में उड़ते गिद्धों के झुंड को देखकर आश्चर्य हुआ, क्योंकि करीब डेढ़ दशक बाद उन्होंने ऐसा दृश्य देखा।

वन दरोगा दाताराम ने बताया कि यमकेश्वर ब्लाक की पहाड़ियों पर गिद्धों का दिखना पारिस्थितिक तंत्र के लिए अच्छा संकेत है।

यह काफी दूर तक उड़ान भरते हैं, इसलिए इनकी संख्या का सटीक अनुमान लगा पाना मुश्किल रहता है। राजाजी नेशनल पार्क क्षेत्र में भी गिद्ध दिखाई दिए हैं।

मानसून से पहले गर्मी दिखाएगी तेवर, समान्य से ऊपर रहेगा पारा

देहरादून।उत्तराखंड में मानसून से पहले गर्मी अपने तेवर दिखाएगी। चटक धूप खिलने से सामान्य तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। खासकर मैदानी इलाकों में दिन के समय गर्मी परेशान करेगी। हालांकि इस दौरान हल्की दौर की बारिश राहत भी दिलाएगी।

मौसम विभाग की मानें तो 21 जून को देहरादून समेत उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, नैनीताल और पिथौरागढ़ जिले के कुछ हिस्सों में बिजली चमकने के साथ 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफान चलने का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा पर्वतीय जिलों के कुछ इलाकों में हल्की बारिश के आसार हैं।

नगरासू गुरुद्वारा विवाद, एक दिन बाद सेवादार को छोड़ा

रूदप्रयाग। नगरासू गुरुद्वारे में शनिवार शाम से चल रहा हाई वोल्टेज ड्रामा रविवार शाम करीब 27 घंटे बाद कुछ शांत हुआ। इससे पहले जिला प्रशासन और निहंगों के बीच तीन दौर की वार्ता हुई लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। निहंग कर्णप्रयाग प्रकरण में गिरफ्तार लोगों की रिहाई की मांग पर अड़े थे। रविवार शाम के वक्त प्रशासन ने निहंगों से फिर वार्ता की और नीचे उतर आए। उन्होंने बंधक बनाए गए सेवादार नवतेज सिंह को भी छोड़ दिया है। एक निहंग अकाल सिंह भी नीचे आ गए हैं। अभी छह निहंग अंदर हैं, जिनसे वार्ता की जा रही है। गुरुद्वारे में रविवार शाम श्रद्धालुओं की आवाजाही के साथ–साथ अरदास शुरू हो चुकी थी। पुलिस प्रशासन ने इसे आपसी विवाद के कारण स्थिति का बिगड़ना बताया है। नगरासू गुरुद्वारे में सात निहंग गुरुद्वारे की तीसरी मंजिल पर चढ़ गए थे। बताया जा रहा था कि उन्होंने गुरुद्वारे के सेवादार समेत दो लोगों को बंधक भी बना लिया था। इसके बाद से लगातार पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने निहंगों को मनाने का प्रयास किया लेकिन निहंग अपनी मांग पर अड़े रहे। इस बीच एसपी नीहारिका तोमर ने करीब एक घंटे तक फोन पर निहंगों से बातचीत की, लेकिन वार्ता बेनतीजा रही। गुरुद्वारा परिसर और आसपास के क्षेत्र में पुलिस, आईटीबीपी, एटीएस और अन्य सुरक्षा बल तैनात रहे।

हजारों लोगों ने किया योग, प्रकृति की गोद से गूंजा स्वास्थ्य का संदेश

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा योग को वैश्विक पहचान दिलाने व जन–जन तक पहुंचाने के अभियान और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा उत्तराखंड को योग, वेलनेस एवं प्राकृतिक चिकित्सा की राजधानी बनाने के प्रयासों के बीच अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देहरादून का सिटी फॉरेस्ट पार्क स्वास्थ्य, आध्यात्म और प्रकृति के अद्भुत संगम का साक्षी बना।

मसूरी–देहरादून विकास प्राधिकरण त्रएमडीडीएत्र द्वारा सिटी फॉरेस्ट पार्क में आयोजित 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राज्य के मुख्य सचिव आनंद बर्धन ने शिरकत की। इस दौरान मुख्य सचिव व अन्य प्रशासनिक अधिकारीगण अपर सचिव मुख्यमंत्री एवं एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी, एमडीडीए के सचिव मोहन सिंह बर्निया, प्राधिकरण के अधिकारी–कर्मचारी, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रकृति की हरियाली और पहाड़ों की शांत वादियों के बीच एक हजार से अधिक लोगों ने सामूहिक योग कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने योग प्रशिक्षकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा योग जागरूकता के लिए उनके योगदान की सराहना की। सुबह की ताजा हवा, वृक्षों की छांव और पक्षियों की मधुर आवाजों के बीच जब एक साथ हजारों हाथ योग मुद्राओं में उठे तो पूरा सिटी फॉरेस्ट पार्क मानो योगमय हो गया। योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की क्रियाओं का अभ्यास किया। कार्यक्रम में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

प्रकृति के बीच योग का अनूठा संदेश

इस वर्ष योग दिवस का आयोजन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि इसे प्रकृति संरक्षण, स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक जागरूकता से भी जोड़ा गया। एमडीडीए द्वारा विकसित सिटी फॉरेस्ट पार्क में आयोजित कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने का भी मार्ग है। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को योग के वैज्ञानिक लाभों के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि नियमित योग तनाव को कम करने, मानसिक संतुलन बनाए रखने और विभिन्न जीवनशैली जनित बीमारियों से बचाव में प्रभावी भूमिका निभाता है।

एक नजर

जुलाई से विभिन्न ब्लॉकों में होगा पौधारोपण

आयोजित बैठक में भाग लेते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः सामाजिक समिति ने पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का संकल्प लिया है। इसके तहत जुलाई माह से विभिन्न ब्लॉकों में पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा।

बैठक समिति कार्यालय में अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद पंत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन सतीश चन्द्र शर्मा ने किया। बैठक के प्रारंभ में समिति के सम्मानित सदस्यों प्रमोद डोबरियाल, दौलतराम बौंठियाल एवं प्रकाशचन्द्र हेमदान का जन्म माह मनाया गया। इसके उपरांत विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा करते हुए सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि पौधारोपण अभियान के लिए पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु वन विभाग से संपर्क किया जाएगा तथा फलदार पौधों की प्राप्ति के लिए उद्यान विभाग से शीघ्र समन्वय स्थापित किया जाएगा। समिति ने तय किया कि जनपद पौड़ी गढ़वाल के पोखड़ा एवं कल्जीखाल विकासखंडों में जुलाई माह के प्रथम पखवाड़े में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यमकेश्वर, द्वारीखाल एवं जहरीखाल विकासखंडों में जुलाई के अंतिम पखवाड़े में पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। कार्यक्रमों की तिथि एवं स्थान की अंतिम सूचना मानसून आगमन के बाद समूह में साझा की जाएगी। इसके अतिरिक्त समिति की पौधशाला में आवश्यक कार्यों के संचालन हेतु वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के बाद एक मजदूर नियुक्त करने का भी निर्णय लिया गया।

बैठक में दिनेश चन्द्र घिल्डियाल, अशोक नेगी, एस.एन. पोखरियाल, डी.आर. बौंठियाल, आर.के. बुडाकोटी, प्रकाशचन्द्र हेमदान, उमानंद बड़ोला, बहादुर सिंह मेहरा, प्रमोद कुमार डोबरियाल, सुनील नेगी तथा जगदीश चन्द्र जोशी सहित अनेक सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए। बैठक के अंत में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं गढ़वाल सांसद रहे मेजर जनरल भुवन चन्द्र खंडूरी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

सक्षम ने दिव्यांगों को बांटे उपकरण

दिव्यांगों को उपकरण वितरित करते सदस्य

जयन्त प्रतिनिध। कोटद्वारः समदृष्टि क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल (सक्षम) की ओर से दिव्यांग जनों को सहायता उपकरण वितरित किए गए। इस अवसर पर अन्य सामाजिक संस्थाओं से भी दिव्यांगों की मदद के लिए आगे आने की अपील की गई। कोटद्वार स्थित सक्षम दिव्यांग सेवा केंद्र में संगठन का स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तराखंड प्रांत के सचिव कपिल रतूड़ी ने किया। उन्होंने कहा कि सक्षम वर्तमान में दिव्यांगजन हित में कई योजनाएं संचालित कर रहा है, जिसके तहत जरूरतमंदों को निशुल्क व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, श्रवण यंत्र, टीएलएम किट, कमोड युक्त चेयर, छड़ी सहित विभिन्न सहायता उपकरण प्रदान किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में दिव्यांगजनों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी भी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि दिव्यांगजनों को अधिक से अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष योगंबर सिंह रावत, डॉ. चंद्रमोहन बडथ्वाल, डॉ. बलवंत नेगी, रूप सिंह नेगी, साधना रतूड़ी, मंजू देवी, राजमोहन सिंह नेगी, अनीता नेगी, हरेंद्र नेगी, सुनील सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

फ्रीज के पानी से तोबा, मटके की बढ़ी डिमांड

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः गर्मी में फ्रीज का ठंडा पानी लोगों की सेहत बिगाड़ रहा है। ऐसे में शहरवासी फ्रीज के बजाय मटका व सुराईं के पानी को पीना अधिक पसंद कर रहे हैं। यही कारण है कि इन दिनों शहर में मटका, सुराही, कुल्हड़, मिट्टी से बनी बोतल व गिलास की डिमांड बढ़ गई है। हालांकि इस वर्ष मटका, सुराही व अन्य मिट्टी के बर्तनों के दामों में कुछ बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है।

गर्मी के मौसम में सबसे ज्यादा ठंडे पानी की इच्छा होती है। लिहाजा गर्मियों में मिट्टी के मटके और सुराही की डिमांड बढ़ने लगती है। अब तो बाजार में मटके के साथ मिट्टी की बोतल भी खूब बिक रही है। इन बोतलों को व्यक्ति अपने बैग में रख आफिस या सफर में भी आसानी से लेजा सकते हैं। बच्चों के लिए स्पेशल मिट्टी के गिलास व बोतल भी बाजार में उपलब्ध है। मटका व सुराही विक्रेताओं ने बताया कि समय के साथ मिट्टी के बर्तनों में भी परिवर्तन किया गया है। पहले बिना ढक्कन वाली मिट्टी की बातले आती थी। जिसे हम केवल घर की टेबल में रख सकते थे। लेकिन, अब इसमें ढक्कन भी लगाया गया है। साथ ही मटके में भी टौंटी लगवाई गई है। टैंटी वाले मटके की कीमत साढ़े चार सौ रुपये है। जबकि, बोतल

कोटद्वार के बदरीनाथ मार्ग में सजी मिट्टी के घड़े व मटके की दुकान

की कीमत दो सौ से चार सौ रुपये तक है।

सेहत के लिए फायदेमंद

गर्मी के मौसम में मटके का पानी औषधीय गुणों से भरपूर माना जाता है। सबसे अच्छी बात यह है कि मटका या घड़ा पानी की गुणवत्ता को सुधारता है। मटका पानी की सभी अशुद्धियों को दूर कर देता है। फ्रीज का पानी डायरेक्ट पीने से नुकसान करता है।

सर्दी-खांसी जुकाम या गले में दर्द होने की संभावना बनी रहती है। लेकिन, मटके के पानी पीने से ऐसा कुछ भी नहीं होता। इसका टेंपरेचर नार्मल होता है। घड़े के पानी के साथ कई मिनरल्स भी शरीर को मिलते हैं।

विभिन्न योजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

–उरेगी गांव में स्थापित निजी एथिक्स विश्वविद्यालय का किया उद्घाटन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ने रविवार को पाबौ और पैठाणी क्षेत्र के भ्रमण के दौरान सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं पर्यटन क्षेत्र से जुड़ी करोड़ों रूपये की विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने सिरतोली से ताराकुंड तक मोटर मार्ग विस्तार व ताराकुंड मंदिर के सौंदर्यीकरण की मांग की। मंत्री डॉ. रावत ने बूंगा–सिमल्थ मोटर मार्ग से प्राथमिक विद्यालय बूंगा तक संपर्क मार्ग निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इसके बाद उन्होंने संस्कृत विद्यालय ओड़लीनांदा में 34.74 लाख रुपये की लागत से निर्मित नव भवन का लोकार्पण किया। विकासखंड थलीसैंण के ग्राम पल्ली में लगभग 55.50 लाख रुपये की लागत से बनने वाले स्वास्थ्य उपकेंद्र का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया।

मंत्री ने 7.37 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 6.40 किलोमीटर लंबे हिंवालीधार–सिरतोली मोटर मार्ग का भी शिलान्यास किया।वहीं मंत्री ने उरेगी गांव में स्थापित निजी एथिक्स विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया। विधायक राजकुमार पोरी ने मोल्ठी, अयाल, उरेगी और विश्वविद्यालय को जोड़ने वाली सड़क के शीघ्र डामरीकरण एवं सुधारीकरण का आश्वासन दिया। राधा स्वामी एजुकेशनल एंड वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर द्वारा संचालित विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं अध्यक्ष किशन सिंह ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को कम शुल्क पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है।

योग दिवस पर समाज के प्रेरणास्रोत लोग हुए सम्मानित

योग शिविर का शुभारंभ करते अतिथि

महिला पतंजलि योग समिति की ओर से आयोजित किया गया शिविर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महिला पतंजलि योग समिति, कोटद्वार द्वारा निम्बू चौड़ स्थित क्रेडल पब्लिक स्कूल शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों योग के महत्व के बारे में बताया गया। साथ ही समाजिक क्षेत्र में कार्य करने वालों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण व नगर निगम के महापौर शैलेन्द्र सिंह रावत ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। योग शिक्षिका शोभा रावत ने उपस्थित लोगों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकॉल के तहत विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। इस वर्ष की थीम ह्लस्वस्थ एवं सक्रिय वृद्धावस्था हेतु योगह्व के अनुरूप योग साधकों को विशेष योग क्रियाओं का प्रशिक्षण भी दिया गया। अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि योग वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करता है, बल्कि मानसिक एवं आध्यात्मिक संतुलन भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से ही भारत स्वस्थ, सशक्त और समृद्ध राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। इस अवसर पर नगर एवं क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में अंगदान के क्षेत्र में गिरिराज सिंह रावत, रक्तदान के क्षेत्र में गोविन्द डंडरियाल एवं शंकर बहादुर, पक्षी संरक्षण के लिए दिनेश कुकरेती, समाज सेवा के लिए मयंक प्रकाश कोठारी 'भारतीय', कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में डॉ. माधुरी डबराल, खेल के क्षेत्र में अरुण नेगी, शिक्षा के क्षेत्र में बबीता ध्यानी, पत्रकारिता के क्षेत्र में दीपक सुयाल, सोशल मीडिया के क्षेत्र में संदीप बिष्ट, प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में चंद्र मोहन कुकरेती, गौ सेवा के लिए शकुंतला रावत तथा लोक संस्कृति के क्षेत्र में शिवानंद लखेड़ा शामिल रहे। कार्यक्रम में महिला पतंजलि योग समिति की संरक्षिका रेणुका गुसाईं, आजीवन सदस्य कुसुम ध्यानी एवं उर्मिला नैथानी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रश्मि सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल, पूर्व दुगड्डा ब्लॉक प्रमुख गीता नेगी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुमन कोटनाला, शशिबाला केस्टवाल, पार्षद अमित नेगी, पार्षद नीरूबाला खंतवाल, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह रावत आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन विकास देवरानी ने किया।

योग दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जनपद में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ और निरोगी जीवन का संकल्प लिया। रविवार को राइफलमैन जसवंत सिंह स्टेडियम रांसी में आयोजित कार्यक्रम में लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को भी सुना।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री ने कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत होने के साथ ही स्वस्थ जीवन का आधार भी है। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने कहा कि योग स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की एक प्रभावी पद्धति है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में तनावपूर्ण जीवनशैली के बीच योग मानसिक शांति, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच प्रदान करता है। इस अवसर पर स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी, जिला पंचायत अध्यक्ष रचना बुटोला आदि मौजूद रहे।

स्वस्थ शरीर के लिए जीवन में अपनाएं योग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः मालवीय उद्यान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारत स्वाभिमान पतंजलि योग पीठ की ओर से योग शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विधानसभा अध्यक्ष ने लोगों से योग को अपने जीवन में अपनाने की अपील की। शिविर में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं और उन्होंने स्वयं योगाभ्यास कर लोगों को योग के प्रति प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि योग हमारे शरीर, मन और आत्मा को जोड़कर संपूर्ण स्वास्थ्य प्रदान करता है। योग हमें संतुलित और सकारात्मक जीवन जीने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन सूर्योदय से पूर्व उठकर नियमित योगाभ्यास करना चाहिए। उन्होंने योग को भारत की प्राचीन संस्कृति और अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा कि यह मानसिक शांति और शारीरिक ऊर्जा को बढ़ाता है। इस दौरान उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को भी योग के प्रति जागरूक करने का आग्रह किया। शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, पूर्व मंडी समिति अध्यक्ष सुमन कोटनाला, वीरेंद्र सिंह रावत, विकासदीप मित्तल, लक्ष्मी रावत सहित कई लोग मौजूद रहे।

महाविद्यालय में योग से निरोग रहने का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में योग दिवस के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल किया गया । इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ डीएस नेगी ने 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग जीवन का एक अभिन्न अंग है, जिसके द्वारा हम शारीरिक मानसिक सामाजिक और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं । इस अबसर पर महाविद्यालय के योग प्रशिक्षक डॉ अनुपम कोठारी ने योग प्रोटोकॉल के बारिकियों को समझाते हुए उनके लाभो को बताया तथा बिभिन्न योगाभ्यास कराये । इस अवसर पर महाविद्यालय की रोवर्स रेंजर्स इकाई के सभी रोबर्स रेंजर तथा रेड क्रॉस एनएसएस तथा एनसीसी के सभी केडिटो ने प्रतिभा किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डीएस नेगी एनसीसी प्रभारी प्रोफेसर बीएल शाह रोबर्स रेंजर्स के सयोजक डॉ सुषमा थलेड़ी भट्ट, डॉ जेसी भट्ट , रेड क्रॉस की सयोजक डॉ मिनाक्षी वर्मा ,एनएसएस के संयोजक डॉ जितेंद्र दिवाकर, अरविन्द दुदपुड़ी, डॉ धर्म वीर सिंह ,डॉ संदीप किमोठी, डॉ हीरा सिंह ,डॉ विनोद सिंह , डॉ चंद्रप्रभा कंडवाल, जितेंद्र सिंह, डॉ डीके मौर्य, डॉ पवन भट्ट ,डॉ अजय रावत, डॉ मुकेश रावत , डॉ हिमांशु ,डॉ ऐश्वर्या राणा, डॉ रश्मि बहुखंडी, शेखर चंद्र मेठानी ,डॉ दया जोशी, डॉ सुरेश कुमार, देवेंद्र रावत, उमेश खुगशाल, शशि रावत, डॉ नंदनी गड़िया, डॉ मुकेश बडोनी ,मुकेश जदली ,आध्या ,परिहार, शिल्पा नेगी, अनुशुमान गोड़, पारस पंत, सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण कर्मचारी गण मौजूद रहे।

गुलदार की बढ़ी धमक, व्यक्ति पर किया हमला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः कोटद्वार क्षेत्र में जंगल से सटे आबादी क्षेत्रों में गुलदार की धमक लगातार बढ़ती जा रही है। शनिवार रात गुलदार ने सिद्धबली मंदिर के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास घूम रहे एक व्यक्ति पर हमला कर दिया। हमले में व्यक्ति के हाथ पर नाखूनों के निशान आए हैं।

केटीआर वन प्रभाग के स्वागती केंद्र के समीप शनिवार रात एक युवक पर गुलदार ने हमला कर दिया। युवक के हाथ व पैर पर खरोंच आईं। आसपास मौजूद लोगों के शोर मचाने पर गुलदार जंगल की ओर भाग गया। बताया जा रहा है कि नेपाली मूल का एक युवक जो अक्सर सिद्धबली मंदिर और स्वागती केंद्र क्षेत्र के आसपास घूमता रहता है। शनिवार रात करीब 10 बजे निर्माणाधीन हस्तशिल्प बाजार परिसर में मौजूद था। इसी दौरान अचानक एक वन्यजीव ने उस पर हमला कर दिया। युवक की चीख-पुकार सुनकर रात में टहल रहे लोग मौके पर पहुंचे और शोर मचाया जिससे वन्यजीव वहां से भाग गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक पर हमला करने वाला जानवर गुलदार था। हमले में युवक के पैरों पर मामूली चोटें और खरोंचें आईं। युवक

कोटद्वार में रिजॉर्ट की दीवार पर बैठा गुलदार

मंदबुद्धि बताया जा रहा है, जिसके कारण उसकी पहचान नहीं हो सकी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक अधिकांश समय स्वागती केंद्र के आसपास ही रहता है। इससे पहले भी उस पर दो बार वन्यजीव हमला कर चुका है। कोटद्वार के रेंजर विपिन चंद्र जोशी ने बताया कि युवक पर वन्यजीव के हमले की सूचना मिली थी। युवक को मामूली खरोंचें आई हैं। उन्होंने बताया कि युवक को कई बार बाजार क्षेत्र में रहने की सलाह दी गई है, लेकिन वह घटनास्थल के आसपास ही घूमता रहता है। उपचार के बाद वह फिर से उसी क्षेत्र में पहुंच गया था। इसी तरह कौड़िया स्थित कॉर्बेट रिज़ॉर्ट के आसपास भी गुलदार की मौजूदगी देखी जा रही है।

एक दिन पहले रिज़ॉर्ट की बाउंड्री में गुलदार बैठा हुआ कैमरे में कैद हुआ, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लगातार बढ़ रही इन घटनाओं से स्थानीय लोगों और राहगीरों में दहशत का माहौल है। लोग वन विभाग से जल्द कार्रवाई कर गुलदार के आतंक से राहत दिलाने की मांग कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

जयन्त प्रतिनिध। कोटद्वारः अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सेना कैंटीन, कोटद्वार में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा विशेष योग एवं राजयोग मेडिटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेना के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य उपस्थित जनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी संस्थान की संचालिका बी.के. ज्योति बहन ने कहा कि जिस प्रकार तन को स्वस्थ रखने के लिए शारीरिक योग आवश्यक है, उसी प्रकार मन को स्वस्थ, शांत और शक्तिशाली बनाने के लिए राजयोग मेडिटेशन भी आवश्यक है। उन्होंने "योगा" और "योग" के बीच का अंतर स्पष्ट करते हुए बताया कि योगा शरीर के स्वास्थ्य से संबंधित है, जबकि योग का अर्थ है जुड़ना (कनेक्शन स्थापित करना)। जब हम शारीरिक योग को मन की सकारात्मक स्थिति और परमात्मा की स्मृति के साथ करते हैं, तब उसका लाभ कई गुना बढ़ जाता है। बी.के. ज्योति बहन ने कहा कि आज अधिकांश लोग वॉकिंग और व्यायाम तो करते हैं, लेकिन मन में चिंता, तनाव और नकारात्मक विचारों के साथ जुड़े रहते हैं, जिससे उन्हें अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता। यदि शारीरिक गतिविधियों के साथ मन को भी सकारात्मकता, शांति और आत्मिक शक्ति से जोड़ा जाए, तो व्यक्ति का संपूर्ण स्वास्थ्य बेहतर बनता है। उन्होंने आगे कहा कि योग केवल एक

दिन मनाने का विषय नहीं है, बल्कि इसे प्रतिदिन जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। नियमित योग और ध्यान से व्यक्ति शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनता है तथा जीवन में संतुलन और खुशी का अनुभव करता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया गया। अंत में सभी ने स्वस्थ, तनावमुक्त और सकारात्मक जीवन जीने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन विश्व शांति, सुख, स्वास्थ्य एवं मानव कल्याण की मंगलकामनाओं के साथ हुआ।

संपादकीय

झुलसते पहाड़, बिगड़ता संतुलन

मैदान से लेकर पहाड़ तक बढ़ते गर्मी का संकट बढ़ता ही जा रहा है। जिन पहाड़ों को सुकून का स्थान समझा जाता था वहां भी अब हालात बिगड़ने लगे हैं। पहाड़ों में अनियोजित विकास और जंगलों के नष्ट होने से इसका असर पहाड़ों के साथ–साथ मैदानी क्षेत्रों में भी देखने को मिलने लगा है। चिंता की बात यह है कि उत्तराखंड के पहाड़ों में भी आग बरस रही है और जो लोग यहां सुकून तलाशने आते हैं वह निराश होकर जा रहे हैं। पहले जहां उत्तराखंड के पहाड़ों को ठंडे और सुहावने मौसम के लिए जाना जाता था, वहीं अब वहां भी तापमान लगातार बढ़ रहा है। इसके पीछे मुख्य तौर पर इंसान ही जिम्मेदार हैं जिसने अपनी जरूरत को पूरा करने के लिए पहाड़ों की भौगोलिक स्थिति को बिगाड़ कर रख दियाहै। भौगोलिक परिस्थितियों के विपरीत औद्योगीकरण, वाहनों और अन्य मानवीय गतिविधियों से बढ़ रहे ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन ने पृथ्वी के तापमान में वृद्धि की है। इसका प्रभाव मैदानों के साथ–साथ पर्वतीय क्षेत्रों पर भी दिखाई दे रहा है। कॉलोनिया, होटल, रिसोर्ट और विभिन्न परियोजनाओं के कारणवनों की कटाई भी गर्मी बढ़ने का एक बड़ा कारण है। जंगल प्राकृतिक रूप से तापमान को नियंत्रित करते हैं और वर्षा चक्रको संतुलित बनाए रखते हैं। लेकिन तेजी से हो रही कटाई के कारण पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है, जिससे गर्मी का प्रभाव बढ़ रहा है। देहरादून जैसा शहर जो गर्मी पड़ने पर बरसात होने से सुकून में रहता था वहां भी कंक्रीट के बढ़ते जंगल, शहरीकरण और प्रदूषण गर्मी को और अधिक बढ़ा रहे हैं। वहीं पहाड़ों में अनियोजित निर्माण, सड़क विस्तार और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन से तापमान में वृद्धि हो रही है। जंगलों की काटने के साथ प्राकृतिक प्राकृतिक संसाधन भी प्रभावित हुए हैं इसके कारण जल स्रोत समाप्त हो रहे हैं और हिमनदों (ग्लेशियरों) का पिघलना भी चिंता का विषय है। इससे जल संकट बढ़ रहा है और पर्यावरणीय असंतुलन पैदा हो रहा है, जिसका सीधा असर मौसम पर पड़ता है। पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए सिर्फ और सिर्फ एक ही विकल्प है और वह है जंगलों और वन संपदा को सुरक्षित रखना। इस बढ़ते संकट से निपटने के लिए वृक्षारोपण, जल संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण–अनुकूल विकास को प्राथमिकता देना आवश्यक है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो मैदान और पहाड़ दोनों क्षेत्रों में गर्मी का संकट भविष्य में और गंभीर रूप ले सकता है। उत्तराखंड सरकार को मैदान और पहाड़ों में आयोजित विकास को नियंत्रित करना होगा और साथ ही ऐसी परियोजनाओं को सोच समझ कर लागू करना होगा उनके कारण प्रभावित हो रहे हैं।

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

दल-बदल की राजनीति और लोकतंत्र का भविष्य

विनोद कुमार सिंह

जनादेश की चोरी या राजनीतिक अवसरवाद जनादेश बनाम दल-बदल।भारतीय लोकतंत्र राजनीतिक अवसरवाद का बंधक बनता जा रहा है?

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में जनता को लोकतंत्र का वास्तविक स्वामी माना जाता है। संविधान की मूल भावना भी यही है कि सत्ता का स्रोत जनता है, जनता जर्नादन का जनादेश सर्वोपरि है।मतदाता किसी प्रत्याशी को केवल उसके व्यक्तिगत गुणों के आधार पर नहीं चुनता,बल्कि उसके राजनीतिक दल,विचारधारा,नेतृत्व और चुनावी घोषणापत्र पर विश्वास व्यक्त करता है।यही कारण है कि चुनाव परिणाम केवल सीटों की गणना नहीं,बल्कि जनता की सामूहिक इच्छा की अभिव्यक्ति होते हैं।दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में जिस प्रकार दल-बदल की प्रवृत्ति बढ़ी है,उसने लोकतंत्र की आत्मा जनादेश की पवित्रता और राजनीतिक नैतिकता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।एक ओर भाजपा व एन डी ए की केंद्र सरकार वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रही है।विकसित भारत,आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु भारत जैसे लक्ष्य राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं।दूसरी ओर राजनीतिक दलों के भीतर बढ़ती अस्थिरता,वैचारिक प्रतिबद्धता का क्षरण और सत्ता प्राप्ति की बढ़ती होड़ लोकतंत्र को नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर रही है।जनता जिन प्रतिनिधियों को किसी दल के चुनाव चिन्ह पर चुनकर भेजती है,वे कुछ वर्षों बाद या कभी-कभी कुछ महीनों बाद ही अपना दल बदल लेते हैं।इससे सबसे अधिक आघात मतदाता के विश्वास को पहुँचता है।भारतीय राजनीति में दल-बदल की समस्या नई नहीं है।वर्ष 1967 में हरियाणा के विधायक गया लाल द्वारा एक ही दिन में कई बार पार्टी बदलने की घटना के बाद ₹आया राम,गया राम₹ भारतीय राजनीति का स्थायी मुहावरा बन गया। 1967से1971के बीच देशभर में पांच सौ से अधिक विधायकों द्वारा दल बदलने की घटनाएँ दर्ज की गईं।राजनीतिक अस्थिरता इतनी बढ़ गई कि केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ा।इसी के परिणामस्वरूप वर्ष 1985 में संविधान के 52वें संशोधन द्वारा दसवीं अनुसूची अर्थात दल-बदल विरोधी कानून लागू किया गया। बाद में 91वें संविधान संशोधन के माध्यम से इसे और कठोर बनाया गया।कानून बनने के बावजूद समस्या समाप्त नहीं हुई।नेताओं ने कानून की कमियों को समझ लिया और व्यक्तिगत दल-बदल के स्थान पर सामूहिक टूट,विलय और इस्तीफों की रणनीति अपनाई।आज स्थिति यह है कि सरकारें कई बार चुनावी जनादेश से कम और राजनीतिक प्रबंधन से अधिक बनती-बिगड़ती दिखाई देती हैं।राजनीतिक सुधारों के लिए कार्य करने वाली संस्था ए डी आर (ऐशोसिएसन फॉर ड्रेमोक्रिऐसी रिफॉर्स)की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2016 से 2020 के बीच देश भर में 405 विधायक दल बदलकर दोबारा चुनाव मैदान में उतरे।इनमें से 182 विधायक अर्थात लगभग 45 प्रतिशत एक ही दल में शामिल हुए।इसी अवधि में170विधायक कांग्रेस छोड़कर अन्य दलों में चले गए जबकि केवल 18 विधायक भाजपा छोड़कर अन्य दलों में गए। एडीआर ने यह भी उल्लेख किया कि मध्य प्रदेश,गोवा,मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश और कर्नाटक में सरकारों के गिरने के पीछे विधायकों का दल-बदल प्रमुख कारण रहा।महाराष्ट्र का राजनीतिक घटनाक्रम भारतीय लोकतंत्र में दल-बदल की सबसे बड़ी प्रयोग शाला बनकर सामने आया।वर्ष 2022में शिवसेना के 55 में से लगभग 40 विधायक एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में अलग हो गए।इसके बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में भी बड़ी टूट हुई और अजित पवार गुट अलग हो गया।जनता ने जिस महाविकास आघाड़ी या जिस राजनीतिक संरचना को वोट दिया था,कुछ ही वर्षों में उसका स्वरूप पूरी तरह बदल गया।राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि महाराष्ट्र ने भारतीय राजनीति में ₹विधायक आधारित सत्ता परिवर्तन₹ का नया मॉडल प्रस्तुत किया है।इससे यह प्रश्न और प्रबल हुआ कि लोकतंत्र में वास्तविक महत्व मतदाता के वोट का है या निर्वाचित प्रतिनिधियों की बाद की राजनीतिक निष्ठाओं का।मध्य प्रदेश का उदाहरण भी कम महत्वपूर्ण नहीं है।वर्ष 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के कांग्रेस छोड़ने के बाद 22कांग्रेस विधायकों ने इस्तीफा दे दिया।परिणामस्वरूप कमलनाथ सरकार गिर गई और राज्य में सत्ता परिवर्तन हो गया।बाद में इनमें से अधिकांश नेता दूसरे दल के टिकट पर पुनः चुनाव लड़े।यह घटनाक्रम भारतीय राजनीति में दल-बदल और सत्ता परिवर्तन के सबसे चर्चित उदाहरणों में गिना जाता है।कर्नाटक में वर्ष 2019 में 17विधायकों के इस्तीफे ने एच.डी. कुमारस्वामी सरकार को गिरा दिया।कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन सत्ता से बाहर हो गया और नई सरकार का गठन हुआ।राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे भी दल-बदल कानून की सीमाओं का उदाहरण बताया।गोवा,मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश में भी निर्वाचित विधायकों के दल बदलने से राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल गए।कई बार विपक्ष सत्ता पक्ष में बदल गया और कई बार सत्तारूढ़ दल विपक्ष में पहुँच गया।इससे लोकतांत्रिक स्थिरता पर गंभीर प्रभाव पड़ा।एडीआर की रिपोर्ट ने भी इन राज्यों में सरकार परिवर्तन के पीछे दल-बदल को प्रमुख कारण बताया है।पश्चिम बंगाल में भी दल-बदल की राजनीति लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है।वर्ष 2021 के विधान सभा चुनाव से पहले और बाद में तृणमूल कांग्रेस तथा भाजपा के बीच नेताओं और विधायकों का आना-जाना जारी रहा।राजनीतिक गलियारों में समय-समय पर तृणमूल कांग्रेस के कुछ विधायकों की नाराजगी और संभावित टूट की चर्चाएँ भी उठती रही हैं।लोकतंत्र के लिए केवल दल-बदल ही समस्या नहीं है,बल्कि लगातार बनी रहने वाली राजनीतिक अनिश्चितता भी चिंता का विषय है।

विश्व वर्षावन दिवस : महत्व, उद्देश्य, थीम और संरक्षण के उपाय

सुनील कुमार महला

वर्षावनों के संरक्षण तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 22 जून को विश्व वर्षावन दिवस (वर्ल्ड रेन फोरेस्ट डे) मनाया जाता है। वास्तव में, यह दिवस पृथ्वी के उन अमूल्य प्राकृतिक संसाधनों के महत्व को रेखांकित करता है, जो मानव जीवन, जैव-विविधता और जलवायु संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। आज स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार आज लॉगिंग (पेड़ों की कटाई), अवैध खनन, अनियंत्रित विकास तथा कृषि विस्तार के कारण हर मिनट लगभग 40 फुटबॉल मैदानों के बराबर वर्षावन नष्ट हो रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार पिछले 50 वर्षों में अकेले अमेजन वर्षावन का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा समाप्त हो चुका है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास की बात करें तो पाठकों को बताता चलूं कि विश्व वर्षावन दिवस की शुरूआत वर्ष 2017 में गैर-लाभकारी संस्था रेनफोरेस्ट पार्टनरशिप द्वारा की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य वर्षावनों के संरक्षण के लिए विश्वभर के लोगों, संगठनों और सरकारों को एक साझा मंच पर लाना था। तब से यह दिवस विश्व के अनेक देशों में पर्यावरण संरक्षण अभियानों, वृक्षारोपण कार्यक्रमों, संगोष्ठियों तथा जन-जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से मनाया जा रहा है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्षावन पृथ्वी के सबसे समृद्ध और जैव-विविधता वाले पारिस्थितिक तंत्र हैं। यद्यपि वे पृथ्वी की भूमि का अपेक्षाकृत छोटा भाग घेरते हैं, फिर भी इनमें विश्व की लगभग आधी से अधिक वनस्पति एवं जीव प्रजातियाँ पाई जाती हैं। ये वातावरण से बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करके जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा पृथ्वी के जल-चक्र और वर्षा प्रणाली को संतुलित बनाए रखते हैं। लाखों आदिवासी और स्थानीय समुदाय अपनी आजीविका, संस्कृति और जीवन-निर्वाह के लिए वर्षावनों पर निर्भर हैं। इसके अतिरिक्त आधुनिक चिकित्सा में उपयोग होने वाली 25 प्रतिशत से अधिक दवाओं के तत्व वर्षावनों के पौधों से प्राप्त होते हैं, जिनमें अनेक कैंसर-रोधी औषधियाँ भी शामिल हैं।

इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को वर्षावनों के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा उनके संरक्षण के लिए वैश्विक प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। यह सरकारों, संस्थाओं और नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करता है तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखने का संदेश देता है। पिछले वर्ष अर्थात 2025 में विश्व वर्षावन दिवस की थीम एमपावरिंग एक्शन (कार्रवाई को सशक्त बनाना) रखी गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य वर्षावनों के संरक्षण हेतु जमीनी स्तर पर ठोस और प्रभावी कदम उठाने पर बल देना था। इस थीम के अंतर्गत स्वदेशी समुदायों को सशक्त बनाने तथा उनके पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण पर विशेष जोर दिया गया था। वहीं वर्ष 2026 की थीम द फोरेस्ट विद इन यू (आपके भीतर का जंगल) है। यह थीम इस विचार को प्रस्तुत करती है कि वर्षावन भले ही भौगोलिक रूप से हमसे दूर हों, लेकिन हवा, पानी और जलवायु के माध्यम से वे हमारे अस्तित्व का अभिन्न हिस्सा हैं। यह मनुष्य और प्रकृति के गहरे एवं आंतरिक संबंध को रेखांकित करती है।

वर्षावनों से जुड़े अनेक तथ्य अत्यंत रोचक और महत्वपूर्ण हैं। वर्षावन पृथ्वी के कुल क्षेत्रफल के 3 प्रतिशत से भी कम हिस्से में फैले हैं, लेकिन वे विश्व की आधे से अधिक वनस्पति एवं जीव प्रजातियों का घर हैं। अमेजन जैसे विशाल वर्षावन हमारी सांसों के लिए आवश्यक ऑक्सीजन तथा स्वच्छ जल प्रणाली से गहराई से जुड़े हुए हैं। इन्हें अक्सर पृथ्वी के फेफड़े कहा जाता है, क्योंकि ये पृथ्वी के जलवायु संतुलन को बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आज वर्षावनों के समक्ष अनेक गंभीर चुनौतियाँ हैं, जिनमें पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, अवैध खनन, कृषि भूमि का विस्तार, अनियंत्रित औद्योगिक एवं शहरी विकास तथा जलवायु परिवर्तन प्रमुख हैं। विशेष रूप से इंडोनेशिया और मलेशिया में पाम ऑयल के बागानों के लिए बड़े पैमाने पर वर्षावनों की कटाई की जा रही है, जो वैश्विक चिंता का विषय है। इसी प्रकार मवेशी पालन और चरागाहों के विस्तार के लिए भी बड़ी मात्रा में वन क्षेत्र नष्ट किया जा रहा है।

वर्षावनों के संरक्षण के लिए हमें जिम्मेदार उपभोग की आदत विकसित करनी होगी। कागज और लकड़ी के उत्पादों का सीमित एवं समझदारीपूर्ण उपयोग करना चाहिए तथा अनावश्यक खरीदारी से बचना चाहिए। पुनर्चक्रण (री-साइक्लिंग) को बढ़ावा देना आवश्यक है। कागज का दोनों तरफ उपयोग करना चाहिए, री-सायकल किए गए कागज और अन्य उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए तथा जहाँ संभव हो डिजिटल विकल्प अपनाने चाहिए।इसके साथ ही सतत (सस्टेनेबल) खरीदारी को बढ़ावा देना भी आवश्यक है। सस्टेनेबल शॉपिंग का अर्थ है कि किसी भी वस्तु को खरीदने से पहले यह विचार किया जाए कि वह कहाँ से आई है, उसका निर्माण कैसे हुआ है तथा उसके उपयोग के बाद पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा। हमें प्लास्टिक के बजाय कपड़े या जूट के थैले अपनाने चाहिए, ऑर्गेनिक तथा रीसायकल सामग्री से बने उत्पाद खरीदने चाहिए और स्थानीय तथा प्रमाणित उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए। सरल शब्दों में कहा जाए तो कम लेकिन टिकाऊ खरीदारी करनी चाहिए। पाम ऑयल से जुड़े उत्पादों के प्रति भी जागरूक रहना आवश्यक है। ऐसे उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए जिनमें पर्यावरण-अनुकूल और प्रमाणित स्रोतों से प्राप्त पाम ऑयल का उपयोग किया गया हो। इसी प्रकार वैश्विक स्तर पर मांस की खपत कम करने से चरागाहों के विस्तार की आवश्यकता घटेगी और वनों पर दबाव कम होगा। आदिवासी एवं स्थानीय समुदाय प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने की परंपरागत समझ रखते हैं, इसलिए उनके अधिकारों और ज्ञान की रक्षा भी आवश्यक है। साथ ही ऐसी सरकारों और कंपनियों का समर्थन किया जाना चाहिए जो सख्त पर्यावरणीय कानूनों और शून्य-वनकटाई (जीरो-डीफॉरेस्टेशन) नीतियों का पालन करती हैं।

अंत में यही कहूंगा कि वर्षावनों के संरक्षण के लिए वृक्षों की कटाई पर रोक लगाना, अधिकाधिक वृक्षारोपण करना, झूमिंग कृषि प्रणाली को हतोत्साहित करना तथा सतत कृषि को बढ़ावा देना आवश्यक है। वन्यजीवों का संरक्षण, राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों का विस्तार, ऊर्जा संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सबसे बड़ी आवश्यकता लोगों को वर्षावनों के महत्व और उनके संरक्षण के बारे में शिक्षित करने तथा व्यापक जन-जागरूकता फैलाने की है।

वास्तव में सच तो यह है कि वर्षावनों को बचाना किसी एक देश या सरकार की ही जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण मानव समाज का सामूहिक और नैतिक दायित्व है। वर्षावन हमारे दैनिक जीवन, संस्कृति, स्वास्थ्य, जलवायु और भविष्य से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। वे हमें स्वच्छ वायु, संतुलित जलवायु, जैव-विविधता और जीवनदायी संसाधन प्रदान करते हैं। यदि हम आज इनके संरक्षण के लिए गंभीर प्रयास करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण, समृद्ध जैव-विविधता और सुरक्षित भविष्य प्रदान कर सकेंगे। इसलिए वर्षावनों का संरक्षण केवल पर्यावरणीय आवश्यकता ही नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की अनिवार्य शर्त भी है।

क्या आरएसएस की भारत की जनता के प्रति जवाबदेही होनी चाहिए?

नीरज कुमार दुबे

असल में कांग्रेस की समस्या संघ के पंजीकरण से नहीं, संघ के प्रभाव से है। जिस संगठन ने बिना सरकारी धन, बिना विदेशी सहायता और बिना सत्ता के सहारे सौ वर्षों तक राष्ट्रजीवन को दिशा दी हो, उससे कांग्रेस की बेचैनी स्वाभाविक है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर कांग्रेस और उसके वैचारिक सहयोगियों ने एक बार फिर वही पुराना शोर उठाया है कि संघ पंजीकृत क्यों नहीं है? कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे का पत्र और उसके बाद खड़ा किया गया राजनीतिक कोलाहल इस बात का प्रमाण है कि संघ विरोधियों के पास न तथ्य बचे हैं, न तर्क। वह केवल विवाद पैदा करना चाहते हैं, क्योंकि जिस संगठन को जनता का भरोसा और समाज का समर्थन हासिल हो, उसे बदनाम करने का सबसे आसान तरीका संदेह फैलाना होता है।

लेकिन इस बार संघ ने भी स्पष्ट और सीधा उत्तर दिया है। मोहन भागवत ने साफ कहा, ह्लहिंदू धर्म भी पंजीकृत नहीं है ह्व यह उस पूरी मानसिकता पर प्रहार है जो मानती है कि भारत की हर सांस्कृतिक चेतना को सरकारी मुहर से ही वैधता मिलेगी। भागवत ने कहा कि संघ 1925 में स्थापित हुआ था। क्या तब अंग्रेजों से जाकर पंजीकरण कराया जाता? साथ ही स्वतंत्रता के बाद भी भारत के संविधान ने कभी यह अनिवार्य नहीं किया कि हर स्वैच्छिक संगठन सरकारी रजिस्टर में दर्ज हो तभी वह अस्तित्व में रह सकता है।

असल में कांग्रेस की समस्या संघ के पंजीकरण से नहीं, संघ के प्रभाव से है। जिस संगठन ने बिना सरकारी धन, बिना विदेशी सहायता और बिना सत्ता के सहारे सौ वर्षों तक राष्ट्रजीवन को दिशा दी हो, उससे कांग्रेस की बेचैनी स्वाभाविक है। संघ ने चरित्र निर्माण किया, अनुशासन दिया, समाज को जोड़ा, सेवा का संस्कार दिया और राष्ट्रवाद को जीवन का व्यवहार बनाया। दूसरी ओर कांग्रेस का एक हिस्सा वर्षों तक विदेशी शक्तियों के सामने वैचारिक समर्पण करता रहा। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ समझौते करने वाली राजनीति आज संघ से राष्ट्रभक्ति का प्रमाण मांग रही है। यह विडंबना नहीं तो और क्या है?

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 नागरिकों को संगठन बनाने की स्वतंत्रता देता है। यह नागरिकों का मौलिक अधिकार है। संविधान कहीं नहीं कहता कि हर सामाजिक संगठन को पहले सरकार के सामने सिर झुकाकर अनुमति लेनी होगी। सोसाइटी कानून, न्यास कानून और अन्य व्यवस्थाएं केवल कानूनी सुविधाओं के लिए हैं, अस्तित्व के लिए नहीं।

संघ के पंजीकरण प्रमाणपत्र को देखने की चाह रखने वाले प्रियांक खरगे, पवन खेड़ा और कांग्रेस के नेताओं को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में मंत्री होना कानून से ऊपर होना नहीं होता। किसी मंत्री की व्यक्तिगत इच्छा कानून नहीं बन जाती। यदि कानून में अनिवार्यता नहीं है, तो केवल राजनीतिक नफरत के कारण किसी संगठन को कटघरे में खड़ा नहीं किया जा सकता। यही विधि का शासन है, यही संविधान की आत्मा है।

संघ को समझने के लिए उसकी मूल प्रकृति को समझना आवश्यक है। संघ कोई पारंपरिक कार्यालयी संस्था नहीं, बल्कि समाज आधारित आंदोलन है। डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने इसे सदस्यता कार्ड, शुल्क और कागजी ढांचे की बजाय शाखा, संस्कार और स्वयंसेवा के आधार पर खड़ा किया। आज भी कोई व्यक्ति शाखा में जाकर स्वयंसेवक बन सकता है। यही कारण है कि संघ समाज के बीच रहता है, किसी फाइल में बंद नहीं रहता। संघ अपने आरम्भकाल से ही सामाजिक और सांस्कृतिक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ता रहा है। संघ में औपचारिक सदस्यता और कठोर संस्थागत नियंत्रण नहीं होता। शाखाएं अपने संसाधनों से चलती हैं और संगठन का संचालन सामाजिक सहभागिता से होता है।

इतिहास यह भी बताता है कि संघ को बार-बार राजनीतिक दमन का सामना करना पड़ा। महात्मा गांधी की हत्या के बाद प्रतिबंध लगाया गया, आपातकाल में हजारों स्वयंसेवक जेल भेजे गए, बाबरी प्रकरण के बाद भी हमला हुआ। लेकिन हर बार संघ और अधिक मजबूत होकर निकला। इसका कारण यह था कि संघ की जड़ें सत्ता में नहीं, समाज में हैं। मोहन भागवत ने भी याद दिलाया कि सरकारें संघ पर प्रतिबंध लगाती रहीं, इसका अर्थ ही यह है कि सरकारें संघ के अस्तित्व और प्रभाव को मानती रही हैं।

देखा जाये तो संघ विरोधी बार बार पारदर्शिता और कराधान का मुद्दा उठाते हैं। लेकिन वह जानबूझकर न्यायालयों के निर्णयों को नजरअंदाज करते हैं। ह्लगुरु दक्षिणाह्व को लेकर न्यायालयों ने पारस्परिकता के सिद्धांत को स्वीकार किया था। पटना उच्च न्यायालय ने स्पष्ट माना कि स्वयंसेवकों का स्वैच्छिक योगदान करयोग्य आय नहीं माना जा सकता। संघ ने कभी कानून से छूट नहीं मांगी। उसने केवल वही स्वीकार किया जो कानून कहता है। कानून जहां लागू होता है, वहां संघ के सहयोगी संगठन विधिवत पंजीकृत हैं, लेखा परीक्षण कराते हैं और अपने प्रतिवेदन भी प्रकाशित करते हैं।

यही वह बिंदु है जहां कांग्रेस का पाखंड खुलकर सामने आता है। दशकों तक सत्ता में रहने वाली पार्टी आज संघ से पारदर्शिता मांग रही है, जबकि स्वयं उसके इतिहास पर आपातकाल, भ्रष्टाचार, परिवारवाद और विदेशी प्रभाव के आरोप लगे हुए हैं। जो दल लोकतंत्र को कुचलने के लिए आपातकाल थोप सकता है, वह आज लोकतांत्रिक मूल्यों का उपदेश दे रहा है। यह राजनीतिक हास्य से अधिक कुछ नहीं।

मोहन भागवत ने बिल्कुल सही कहा कि संघ खुलकर काम करता है, किसी गुप्त संगठन की तरह नहीं। लाखों शाखाएं, हजारों सेवा प्रकल्प, शिक्षा, ग्राम विकास, आपदा राहत, सामाजिक समरसता, वनवासी कल्याण, गौ सेवा, पर्यावरण संरक्षण, संघ का हर कार्य समाज के सामने है। यदि संघ में कुछ छिपा होता तो वह सौ वर्षों तक सार्वजनिक जीवन में इतने व्यापक रूप से स्वीकार नहीं किया जाता।

दरअसल संघ की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि उसने राष्ट्रवाद को केवल नारों तक सीमित नहीं रखा। जब भी देश पर संकट आया, स्वयंसेवक सबसे पहले खड़े दिखाई दिए। विभाजन के समय राहत कार्य हो, प्राकृतिक आपदाएं हों, महामारी का दौर हो या सीमा पर सैनिकों के परिवारों की सहायता, संघ के कार्यकर्ता हर जगह सक्रिय रहे। यही कारण है कि भारत का सामान्य नागरिक संघ को कागजी संस्था नहीं, राष्ट्रीय चेतना का प्रहरी मानता है।

संघ को लेकर सबसे अधिक भ्रम उन लोगों में है जो भारत को केवल सत्ता और चुनाव की नजर से देखते हैं। संघ सत्ता के लिए नहीं, समाज के लिए काम करता है। यही कारण है कि वह राजनीतिक उतार चढ़ाव से अप्रभावित रहता है। मोहन भागवत ने हाल में कहा था कि संघ दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन है, लेकिन सबसे अधिक गलत समझा जाने वाला संगठन भी है। यह कथन बिल्कुल सही है। जिन लोगों ने कभी शाखा देखी ही नहीं, वह संघ पर सबसे अधिक आरोप लगाते हैं।

देखा जाये तो आज आवश्यकता इस बात की है कि संघ को राजनीतिक चश्मे से नहीं, उसके कार्यों से देखा जाए। यदि कोई संगठन बिना सरकारी सहायता के, बिना विदेशी धन के और बिना सत्ता के दबाव के सौ वर्षों तक राष्ट्रसेवा करता है, तो उसकी वैधता किसी सरकारी रजिस्टर से नहीं, जनता के विश्वास से तय होती है।

कांग्रेस और संघ विरोधियों को यह समझ लेना चाहिए कि संघ को डराकर, बदनाम करके या कानूनी भ्रम फैलाकर कमजोर नहीं किया जा सकता। संघ की शक्ति कागजों से नहीं, करोड़ों स्वयंसेवकों के समर्पण से आती है। उसका अस्तित्व किसी मंत्री की कृपा पर नहीं, भारत की सांस्कृतिक आत्मा पर आधारित है। जो सौ वर्षों से राष्ट्र को सब कुछ दे रहा हो, उसे अपना परिचय देने की जरूरत नहीं पड़ती। राष्ट्र स्वयं उसका परिचय बन जाता है।

साथ ही संघ को किसी वंशवादी राजनीति से चरित्र प्रमाणपत्र लेने की आवश्यकता नहीं है। जिस संगठन ने सौ वर्षों तक बिना सत्ता, बिना सरकारी संरक्षण और बिना विदेशी सहारे के राष्ट्रजीवन को दिशा दी हो, उसकी पहचान किसी सरकारी मुहर से नहीं होती। संघ का परिचय उसके करोड़ों स्वयंसेवकों की तपस्या है, उसकी शाखाओं का अनुशासन है, उसकी सेवा का विस्तार है और भारत माता के प्रति उसका अखंड समर्पण है। राजनीतिक दल सत्ता से बनते और मिट जाते हैं, लेकिन संघ जैसी राष्ट्रशक्ति पीढ़ियों तक समाज की चेतना में जीवित रहती है। संघ को मिटाने के सपने देखने वाले आते जाते रहे, लेकिन संघ आज भी उतना ही दृढ़, उतना ही प्रभावशाली और उतना ही राष्ट्रनिष्ठ खड़ा है, क्योंकि उसका आधार सत्ता नहीं, भारत की सनातन आत्मा है।

संक्षिप्त समाचार

डोमिनिकन रिपब्लिक के बीचफ्रंट रिजॉर्ट में आग लगी, 1 की मौत; 1700 लोग सुरक्षित निकाले गए

सेंटो डोमिंगो, एजेंसी। कैरेबियाई देश डोमिनिकन रिपब्लिक के पर्यटन स्थल बायाहीबे स्थित एक बीचफ्रंट रिजॉर्ट में आग लग गई। हादसे में इटली की एक महिला पर्यटक की मौत हो गई, जबकि करीब 1,700 पर्यटकों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मृतक की पहचान फ्रांसेस्का वैलेंटिनो के रूप में हुई है। आग विवा विंडहैम डोमिनिकस बीच होटल में लगी थी। द्ब्र॥ के मुताबिक, 3 लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जबकि 6 अन्य का मौके पर ही इलाज किया गया। फायर ब्रिगेड ने कई घंटों के बाद आग पर काबू पा लिया। अधिकारियों के मुताबिक, होटल की छत का कुछ हिस्सा ताड़ (पाम) के पत्तों से बना था, जिससे आग तेजी से फैल गई। तेज हवा ने भी आग फैलने में मदद की। फिलहाल आग लगने की वजह का पता लगाया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि आसपास के इलाकों में पर्यटन गतिविधियां सामान्य रूप से जारी हैं। डोमिनिकन रिपब्लिक कैरेबियाई क्षेत्र के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। इस साल के पहले पांच महीनों में यहां 56 लाख से ज्यादा पर्यटक पहुंचे हैं।

ऑस्ट्रेलिया में पहली बार मिला एच5 बर्ड फ्लू, अब सभी महाद्वीप इसकी चपेट में

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में पहली बार एच5 बर्ड फ्लू स्ट्रेन की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही यह वायरस अब दुनिया के सभी महाद्वीपों में पहुंच चुका है। ऑस्ट्रेलिया की कृषि मंत्री जूली कॉलिन्स ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। जूली कॉलिन्स ने बताया कि पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के एक दूरदराज इलाके में प्रवासी समुद्री पक्षी ब्राउन स्कुआ में ॥5 बर्ड फ्लू पाया गया है। इसकी पुष्टि देश की राष्ट्रीय विज्ञान एजेंसी ने की है। इसके अलावा एक बीमार जायंट पेट्रेल पक्षी के सैंपल में संक्रमण की आशंका जताई गई है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ही दुनिया का एकमात्र महाद्वीप था, जहां ॥5 बर्ड फ्लू स्ट्रेन नहीं मिला था। यह वायरस मुर्गियों और जंगली पक्षियों में तेजी से फैलता है और बड़ी संख्या में उनकी मौत का कारण बन सकता है। मामले को देखते हुए पशु स्वास्थ्य और कृषि अधिकारियों की आपात बैठक बुलाई गई है। इसमें वायरस के फैलाव को रोकने और राष्ट्रीय स्तर पर जवाबी रणनीति पर चर्चा की गई। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि यह चिंता की बात है। सरकार वायरस के फैलाव को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाएगी। उन्होंने कहा, यह संक्रमण प्रवासी पक्षियों के जरिए यहां पहुंचा है। दुनिया के कई देशों में ऐसा हो चुका है और इसी वजह से हम पहले से तैयारी कर रहे थे। गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने बताया था कि ॥5 बर्ड फ्लू के कारण उप-अंटार्कटिक क्षेत्र के एक ज्वालामुखीय द्वीप पर स्थित हाथी सील की एक प्रजनन कॉलोनी में 13 हजार से ज्यादा सील के बच्चों की मौत हो चुकी है। यह द्वीप ऑस्ट्रेलिया के बाहरी क्षेत्रों में शामिल है और वैज्ञानिक वहां संक्रमण के असर पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

लंदन में दो ट्रेनों की जोरदार टक्कर; 1 की मौत, 50 घायल, चश्मदीद बोला- ऐसा लगा जैसे बम फट गया हो

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन के उत्तरी इलाके में शुक्रवार को एक रेल हादसा हुआ, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। बेडफोर्डशायर शहर के दक्षिणी हिस्से में दो यात्री ट्रेनों के बीच हुई भीषण भिड़ंत में एक व्यक्ति की जान चली गई है। स्थानीय प्रशासन और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस दुर्घटना में 50 से अधिक लोगों के घायल होने की आशंका जताई जा रही है। यह दर्दनाक हादसा स्थानीय समयानुसार शुक्रवार शाम करीब 5:15 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार, ईस्ट मिडलैंड्स रेलवे की दो ट्रेनें दक्षिण दिशा में लंदन के सेंट पैनक्रास स्टेशन की ओर जा रही थीं, तभी बेडफोर्ड शहर के बाहर वे आपस में टकरा गईं। यह रेल मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सेंट्रल लंदन को मध्य इंग्लैंड के विभिन्न हिस्सों से जोड़ता है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि यात्रियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। दुर्घटना के समय ट्रेन में मौजूद यात्रियों के लिए वह पल किसी खौफनाक सपने जैसा था। पीछे वाली ट्रेन में सवार यात्री पीटर नैप ने इस मंजर को बयां करते हुए बताया कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ जैसे कोई 'बम धमाका' हुआ हो। नैप के अनुसार, बिना किसी चेतावनी के हुई इस टक्कर के कारण वे अपनी सीट से उछलकर सामने जा गिरे। उन्होंने बताया कि हर तरफ धुआं भर गया था और लोग डर के मारे रो रहे थे और चिल्ला रहे थे। नैप ने घटनास्थल पर खून से लथपथ चेहरे और कई लोगों के टूटे हुए पैर देखे। हादसे की सूचना मिलते ही राहत और बचाव दल सक्रिय हो गया। बेडफोर्डशायर पुलिस ने इस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए इसे 'बड़ी घटना' घोषित कर दिया है। 'ईस्ट ऑफ इंग्लैंड एम्बुलेंस सर्विस' की एयर एम्बुलेंस और खतरनाक घटनाओं से निपटने वाली विशेष टीम (॥ऋक्ष) को तुरंत मौके पर तैनात किया गया।

अमेरिका-ईरान वार्ता की तैयारी तेज: स्विट्जरलैंड में परमाणु समझौते पर हो सकती है बातचीत, स्टीव विटकॉफ रवाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी तनाव के बीच अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की नई उम्मीद दिखाई दे रही है। दोनों देशों के बीच हाल ही में हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के बाद अब स्विट्जरलैंड में नई वार्ता की तैयारी तेज हो गई है। अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ स्विट्जरलैंड रवाना हो चुके हैं, जहां दोनों देशों के बीच संभावित परमाणु समझौते को लेकर बातचीत हो सकती है। ऐसे समय में जब क्षेत्र में सैन्य तनाव कम करने की कोशिशें चल रही हैं, यह वार्ता पश्चिम एशिया की राजनीति और वैश्विक सुरक्षा के लिए काफी अहम मानी जा रही है।

क्या स्विट्जरलैंड में शुरू होगी नई अमेरिका-ईरान वार्ता : अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित वार्ता का पहला दौर स्विट्जरलैंड में होने की उम्मीद है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वरिष्ठ सलाहकार और दामाद जेरेड कुशनर भी वार्ता से पहले स्विट्जरलैंड पहुंच चुके हैं। शुरुआत में बातचीत शुक्रवार से शुरू होनी थी, लेकिन लेबनान में इस्राइल और हिजबुल्लाह के बीच जारी संघर्ष के कारण इसे टाल दिया गया। हालांकि बाद में दोनों पक्षों के बीच संघर्ष विराम लागू होने के बाद बातचीत का रास्ता फिर खुलता दिखाई दे रहा है। फिलहाल वार्ता की नई तारीख का औपचारिक ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन कूटनीतिक गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं।

लेबनान का संघर्ष वार्ता पर इतना असर क्यों डाल रहा है : ईरान ने साफ संकेत दिए हैं कि लेबनान की स्थिति उसके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी स्विट्जरलैंड जाने की तैयारी में हैं, लेकिन उनका दौरा क्षेत्रीय हालात पर निर्भर करेगा। मध्यस्थ देशों के सूत्रों के अनुसार अराघची ने कई देशों के विदेश मंत्रियों से कहा है कि लेबनान में संघर्ष विराम की सफलता ही अमेरिका-ईरान वार्ता के भविष्य को तय करेगी। ईरानी अधिकारियों का मानना है कि जब तक संघर्ष विराम पूरी तरह स्थिर नहीं हो जाता, तब तक किसी बड़े कूटनीतिक कदम पर आगे बढ़ना मुश्किल होगा।

संघर्ष विराम कराने में किन देशों ने निभाई भूमिका : लेबनान में इस्राइल और हिजबुल्लाह के बीच लागू हुए संघर्ष विराम के पीछे कई देशों की भूमिका बताई जा रही है। अमेरिका और कतर ने मध्यस्थ के तौर पर बातचीत को आगे बढ़ाया। वहीं कुछ कूटनीतिक सूत्रों का कहना है कि ईरान ने भी समझौता कराने में सहयोग किया। संघर्ष विराम स्थानीय समयानुसार सुबह 9 बजे से लागू हुआ। क्षेत्र में तनाव कम करने की कोशिशों के बीच इसे महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। माना जा रहा है कि यही समझौता आगे अमेरिका और ईरान के बीच प्रत्यक्ष बातचीत का आधार बन सकता है।

14 सूत्रीय समझौते में क्या-क्या शामिल है : अमेरिका और ईरान के बीच हुए 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन में कई अहम बिंदु शामिल हैं। इसमें लेबनान समेत पूरे क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां रोकने और 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया गया है। समझौते के तहत अमेरिका अपनी नौसैनिक नाकेबंदी और कुछ प्रतिबंधों में ढील देने की प्रक्रिया शुरू करेगा। वहीं ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों को 60 दिनों तक सुरक्षित और निशुल्क मार्ग देने में सहयोग करेगा। इसी अवधि में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर तकनीकी स्तर की बातचीत भी होगी।

प्रतिबंधों और आर्थिक सहयोग को लेकर क्या योजना है : समझौते में ईरान पर लगे प्रतिबंधों को चरणबद्ध तरीके से हटाने का खाका भी शामिल है। इसके अलावा ईरान की जमी हुई संपत्तियों को जारी करने, ईरानी तेल निर्यात के लिए अमेरिकी वित्त मंत्रालय की विशेष छूट देने और ईरान के पुनर्निर्माण व आर्थिक विकास के लिए अमेरिकी समर्थन वाले कार्यक्रम की भी बात कही गई है। इस बीच कतर ने भी अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता शुरू कराने के अपने समर्थन को दोहराया है। स्विट्जरलैंड में कतर और स्विस नेताओं के बीच हुई बैठक में क्षेत्रीय स्थिरता और कूटनीतिक समाधान पर जोर दिया गया। अब पूरी दुनिया की नजर इस बात पर है कि स्विट्जरलैंड में होने वाली संभावित बातचीत क्या पश्चिम एशिया में स्थायी शांति का रास्ता खोल पाएगी।

ट्रंप बोले, 'फोटो खिंचवाने के लिए गिड़गिड़ाने लगीं मेलोनी', भड़क गईं इटली की पीएम, अमेरिका का दौरा रद्द

रोम (इटली), एजेंसी। शुक्रवार को इटली सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे की कड़ी आलोचना की, जिसमें कहा गया था कि हाल ही में हुए जी7 समिट के दौरान प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए 'मिन्नतें' की थीं. इस तीखी प्रतिक्रिया से पता चलता है कि अमेरिका के इस पुराने सहयोगी देश का ट्रंप की डींगें मारने की आदत से सब्र का बांध टूट चुका है. इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी ने इस वीकेंड अमेरिका की अपनी तय यात्रा अचानक रद्द कर दी. उन्होंने ट्रंप के दावों को मेलोनी और पूरे इटली के लिए 'गंभीर और अपमानजनक' बताया. वहीं, मेलोनी ने एक वीडियो पोस्ट करके ट्रंप के दावों को 'पूरी तरह मनगढ़ंत' बताया और अपनी बात इस तरह खत्म की, 'इटली और मैं कभी किसी के आगे गिड़गिड़ाते नहीं हैं.'

ट्रंप ने ये बातें शुक्रवार सुबह स्ड्ड7 नेटवर्क पर प्रसारित एक इंटरव्यू में कही थीं. स्ड्ड7 के रिपोर्टर ने ट्रंप से यूक्रेन के बारे में पूछा था, लेकिन ट्रंप ने मेलोनी का जिक्र छेड़ दिया और बातचीत फ्रांस के एवियन-लेस-बेन्स में हाल ही में हुई त्7 बैठक के दौरान उनकी मुलाकात पर मुड़ गई, जो वीडियो में भी कैद हुई थी. मेलोनी और ट्रंप को कई मौकों पर बातचीत करते हुए देखा गया था, जिसमें एक छोटे सोफे पर अकेले बैठकर बातचीत करना भी शामिल था. स्ड्ड7 के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि मेलोनी ने फोटो खिंचवाने के लिए उनसे 'मिन्नतें' की थीं. ट्रंप ने कहा कि ऐसा करने के लिए उन पर कोई दबाव नहीं था, लेकिन उन्हें मेलोनी पर तरस आया और वे इसके लिए मान गए. ब्रॉडकास्टर के पास बातचीत का डब किया हुआ वर्शन ऑनलाइन उपलब्ध है, न कि ओरिजिनल इंग्लिश ऑडियो. अपने वीडियो में मेलोनी ने कहा कि वे ट्रंप के दावों का जवाब इसलिए दे रही हैं क्योंकि 'कुछ बातें ऐसी होती हैं जिन पर तुरंत प्रतिक्रिया देना जरूरी होता है.' उन्होंने कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप के बयान पूरी तरह मनगढ़ंत हैं. मैं सचमुच हैरान हूं. मुझे समझ नहीं आता कि अमेरिका के राष्ट्रपति अपने ही सहयोगियों के साथ ऐसा व्यवहार क्यों करते हैं. आखिर, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है.' यह उस इंटरव्यू का जिक्र था जो ट्रंप ने अप्रैल में इटली के अखबार 'कोरिएरे डेला सेरा' को दिया था. इसमें उन्होंने ईरान में अमेरिका-इजराइल युद्ध का समर्थन करने से मेलोनी के इनकार की आलोचना की थी. मेलोनी ने उस समय सार्वजनिक रूप से कोई जवाब नहीं दिया था।

खैबर पख्तूनख्वा में बारिश और तूफान ने मचाई भारी तबाही, 7 की मौत, प्रशासन फेल

इस्लामाबाद, एजेंसी। खैबर पख्तूनख्वा में बारिश और आंधी-तूफान का भयंकर कहर देखने को मिला है। इस प्राकृतिक आपदा की वजह से अब तक कुल सात लोगों की मौत हो चुकी है। इस बड़ी और दर्दनाक घटना में आठ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। डेरा इस्माइल खान के पहाड़पुर शहर में गुरुवार को कई घरों की छतें और दीवारें अचानक गिर गईं। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार बचाव दल और स्थानीय लोगों ने मलबे से पीड़ितों को बाहर निकाला। सभी घायल लोगों को तुरंत उचित इलाज के लिए पास के स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया है। मरने वालों में पहाड़पुर के दो युवक और जंदर गांव की दो महिलाएं मुख्य रूप से शामिल हैं। एक घायल की पहचान अहमद अली के रूप में हुई है जबकि अन्य की जानकारी नहीं है।

बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान : तेज हवाओं की वजह से इलाके में कई पेड़ उखड़ गए और घरों के सोलर पैनल टूट गए। एक सबअर्बन इलाके में बाउंड्री वॉल गिरने से बाड़े में बंधे कई जानवरों की भी मौत हो गई। आंधी-तूफान की वजह से पहाड़पुर और आसपास के इलाकों में बिजली की सप्लाई पूरी तरह रुक गई है। खतरनाक हालात और भारी नुकसान के कारण मरम्मत का काम तुरंत शुरू नहीं हो सका है। ओरकजई ट्राइबल जिले में गुरुवार को अचानक बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई और चार घायल हो गए। रेस्क्यू 1122 के अधिकारी के अनुसार निचले ओरकजई के सैम फिरोजखेल इलाके में यह दर्दनाक घटना घटी। इसके अलावा बाजौर ट्राइबल जिले की वार मामुंड तहसील में एक सरकारी स्कूल की दीवार भी गिर गई। इन सभी घटनाओं के कारण इस पूरे इलाके में भी बिजली की सप्लाई बाधित हुई है। एनडीएमए ने बारिश और आंधी-तूफान के नए दौर का काफी पहले ही अलर्ट जारी कर दिया था। पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा को 12 से 17 अप्रैल के बीच कमजोर जोन की श्रेणी में रखा गया था। रिपोर्ट बताती है कि चेतावनी समय पर जारी की गई लेकिन प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाए।

चीन नहीं...अमेरिकी फंड से तैयार हुआ था कोरोना वायरस! वुहान लैब पर बड़ा खुलासा, व्हाइट हाउस में छिपा था सबूत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नेशनल इंटेलिजेंस प्रमुख तुलसी गबार्ड ने अपने कार्यकाल के आखिरी दिन गुरुवार, (18 जून) को ऐक बड़ा खुलासा किया है। उनके इस धमाके से पूरी दुनिया में हड़कंप मच गई है। दरअसल गबार्ड ने कहा है कि पूर्व अमेरिकी प्रेसिडेंड जो बाइडन के पूर्व चीफ मेडिकल एडवाइजर एंथनी फाउची ने चीन के वुहान में उस लैब को आर्थिक रूप से मदद किया था, जिसमें कोरोना वायरस फैला था। ऐसा माना जाता है कि इसी लैब में कोविड-19 महामारी की शुरुआती हुई थी, जो बाद में दुनिया के अन्य हिस्सों को अपने चपेट में लिया।

अपने कार्यकाल के आखिरी दिन तुलसी गबार्ड ने उन दस्तावेज को भी सभी के सामने रख दिया, जो आज तक किसी ने देख नहीं पाया था। गबार्ड के दावे के बाद से जो बाइडन के पूर्व चीफ मेडिकल एडवाजरी डॉ एंथनी फाउट पर अब सवाल उठने लगे हैं।

चीन के वुहान इंस्टीट्यूट को फंडिंग का दावा : गौरतलब है कि एंथनी फाउची 2020 की शुरुआत में अमेरिका में फैले कोरोना वायरस के दौरान बाइडन सरकार की कोविड रोकथाम रणनीति का नेतृत्व कर रहे थे। गबार्ड द्वारा किए गए खुलासे के अनुसार, एंथनी फाउची ने अमेरिकी टैक्सपेयर्स के लाखों डॉलर चीन की उसी वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी को दिए थे, जिसे कोराना वायरस का सेंटर माना जाता है। सामने आए डॉक्यूमेंट्स से पता चला है कि फाउची ने वुहान इंस्टीट्यूट में चमगादड़ कोरोना वायरस पर खतरनाक गेन-ऑफ फंक्शन रिसर्च के लिए फंडिंग किए थे।

एंथनी पर दुनिया से सच छिपाने का आरोप : एंथनी फाउची पर सीधा आरोप लगाते हुए तुलसी गबार्ड ने कहा कि उन्होंने 2024 में अमेरिकी संसद के सामने शपथ लेकर झूठ बोला था। गबार्ड ने यह भी दावा किया कि फाउची ने इंटेलिजेंस कम्यूनिटी के साथ मिलकर लैब से लीक हुए सबूतों को छुपाया और दुनिया के सामने झूठा पेश किया कि वायरस नेचुरल था, ताकि उनके फंडिंग द्वारा फंडिंग इस खतरनाक रिसर्च को सामने नहीं आ सके।

गबार्ड की ऑफिस ने जारी किया बयान : तुलसी गबार्ड की ऑफिस से जारी एक बयान में इस बात की जानकारी दी गई है कि एंथनी ने वायरस के लैब-लीक से फैलने की सच को दबाने के लिए राजनीति से प्रेरित अधिकारियों के साथ मिलकर इस काम को अंजाम दिया गया।

बयान के मुताबिक, ये डॉक्यूमेंट कोविड-19 पर इंटेलिजेंस कम्युनिटी के आकलन को प्रभावित और हेरफेर करने में सीधी भूमिका को उजागर किया गया है। 'राष्ट्रपति से अहम तथ्यों को छुपाया गया खुलासे में यह भी सामने आया है कि जिन व्हिसलब्लोअर्स या विशेषज्ञों ने एंथनी के झूठ को चुनौती देने की कोशिश की, उन्हें डराया-धमकाया गया और उनके करियर बर्बाद कर दिए गए। गबार्ड ने इसे 'डीप स्टेट प्लेबुक' का हिस्सा बताते हुए कहा कि उन्होंने अपनी गलतियों को छिपाने के लिए निर्वाचित राष्ट्रपति तक को महत्वपूर्ण तथ्यों से दूर रखा।

बिना हिजाब गाना गाने पर ईरान की इस मशहूर गायिका को मिली 74 कोड़ों की सजा

तेहरान, एजेंसी। ईरान इस समय अमेरिका और इजरायल के साथ चल रही भयानक जंग को लेकर पूरी दुनिया में काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। लेकिन अब वहां से एक बेहद हैरान करने वाली और मानवाधिकारों से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। ईरान की एक बहुत ही मशहूर गायिका को बिना हिजाब के ऑनलाइन गाना गाने के आरोप में 74 कोड़ों की खौफनाक सजा सुनाई गई है। इस चौंकाने वाली खबर ने पूरी दुनिया में मानवाधिकार समर्थकों और कला प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इस 29 वर्षीय मशहूर ईरानी गायिका का नाम परस्तू अहमदी है जो मुख्य रूप से अपने पारंपरिक लोक संगीत के लिए काफी प्रसिद्ध हैं। परस्तू अहमदी के साथ उनके 8 अन्य सहयोगी कलाकारों को भी इस मामले में बिल्कुल यही दर्दनाक सजा दी गई है। अदालत ने इन सभी कलाकारों के देश छोड़ने पर भी पूरे दो साल का कड़ा और सख्त प्रतिबंध लगा दिया है। इसके अलावा ये सभी लोग अगले दो सालों तक किसी भी सार्वजनिक कलात्मक गतिविधि में भी बिल्कुल भाग नहीं ले सकेंगे।

बिना हिजाब गाया था देशभक्ति गीत : यह पूरा विवाद पिछले साल दिसंबर 2024 में हुए एक ऑनलाइन म्यूजिक कॉन्सर्ट से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। परस्तू अहमदी ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक मशहूर देशभक्ति गीत का शानदार लाइव प्रसारण किया था। इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सिर पर हिजाब नहीं पहना था और एक स्लीवलेस ड्रेस पहनकर अपना गाना गाया था। उनका यह लोकप्रिय 'अज खूने जवानाने वतन' गीत सोशल मीडिया पर देखते ही देखते काफी ज्यादा वायरल हो गया था।

अदालत ने लगाया अश्लीलता का आरोप : इस विवादित वीडियो के वायरल होने के तुरंत बाद परस्तू अहमदी और उनके साथी संगीतकारों को पुलिस ने हिरासत में लिया था। हालांकि कुछ समय बाद उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया था लेकिन उनके खिलाफ यह कानूनी मामला लगातार चलता रहा। अब कोम प्रांत की एक अदालत ने इन सभी कलाकारों पर अश्लील और अनैतिक सामग्री ऑनलाइन फैलाने का गंभीर आरोप लगाया है। इसी आधार पर अदालत ने इन सभी को 74 कोड़े मारने का यह बहुत ही सख्त और क्रूर आदेश सुनाया है।

पहले भी उठा चुकी हैं महिलाओं की आवाज : परस्तू अहमदी पूरे ईरान में अपने सुरीले पारंपरिक और लोक संगीत के लिए युवा वर्ग के बीच बहुत ज्यादा जानी जाती हैं। उन्होंने साल 2022 में ईरान में हुए प्रसिद्ध 'महिला, जीवन, आजादी' आंदोलन का भी बहुत ही खुलकर भारी समर्थन किया था। वह हमेशा से ईरानी महिलाओं की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और उनके बुनियादी अधिकारों के लिए अपनी इसी निडरता की वजह से वह हमेशा ईरानी सरकार और वहां के स्थानीय कट्टरपंथियों के निशाने पर बनी रहती हैं।

खामेनेई पर डोनाल्ड ट्रंप भड़के, कहा- ईरान को अब फूटी कौड़ी भी नहीं मिलेगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच दो दिन पहले ही 14 सूत्रीय समझौते हुए हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर ईरान पर भड़के हैं. ट्रंप इतना ज्यादा गुस्सा हो गए कि उन्होंने कहा कि वे ईरान को फूटी कौड़ी नहीं देंगे.

ट्रंप ने गुस्सा होते कहा कि दोनों देशों के बीच हुए युद्ध के बाद ईरान की सैन्य क्षमताएं बेहद कमजोर हो गई हैं. इस दौरान ट्रंप ने साफ कर दिया है कि अमेरिका ईरान को आर्थिक मदद नहीं देगा. उसे फूटी कौड़ी भी नहीं मिलेगी. राष्ट्रपति ट्रंप के मुताबिक अब ईरान के पास ना वायुसेना बची है और ना ही उसके पास एंटी-एयरक्राफ्ट सिस्टम है. उन्होंने कहा कि ईरान बेहद कमजोर हो चुका है.

डेमोक्रेट्स पर भी बोला हमला : अमेरिकी राष्ट्रपति ने डेमोक्रेटिस पार्टी पर भी तीखे हमले किए. उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की आलोचना का सीधा जवाब देते हुए कहा कि जिसके सदस्यों ने दावा किया कि ईरान आज चार महीने पहले की तुलना में ज़्यादा मज़बूत स्थिति में है. वे सरासर गलत हैं. ट्रंप ने इन दावों को खारिज करते हुए विपक्ष के नजरिए को बिना जानकारी वाला बताया. युद्ध ने ईरान को कमजोर कर दिया है! अब उसके पास एयर फोर्स, नेवी, एंटी-एयरक्राफ्ट इक्विपमेंट, रडार, या असल में कुछ भी नहीं है, और फिर भी डेमोक्रेटिक पार्टी के लोग कहते हैं कि ईरान अब चार महीने पहले की तुलना में बेहतर स्थिति में है. क्या आप सोच सकते हैं कि इससे बच निकला जाए?? कुछ लोग कितने बेवकूफ हो सकते हैं? अपने ट्रुथ सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने कहा कि शांति समझौता अमेरिका की कमजोरी की वजह से नहीं, बल्कि ईरान की जरूरत की वजह से हुआ है, क्योंकि उन्होंने आर्थिक राहत पर अपना कड़ा रुख बनाए रखा है. उन्होंने लिखा कि हम हताशा में नहीं मिले, ईरान मिला. वे खत्म हो गए हैं! हम 60 दिन खेलेंगे. उन्हें कोई पैसा नहीं मिलेगा. उनकी यह बात स्विस विदेश मंत्रालय द्वारा गुरुवार (लोकल टाइम) को कन्फर्म किए जाने के बाद आई है कि अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली बातचीत टाल दी गई है. न्यूज एजेंसी को जवाब देते हुए, स्विट्जरलैंड के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह बातचीत को आसान बनाने के लिए तैयार है. उसने कहा कि यूएम, ईरान, कतर और पाकिस्तान के बीच तय बातचीत टाल दी गई है. स्विट्जरलैंड इन बातचीत को आसान बनाने के लिए तैयार है. बर्गेनस्टॉक में जरूरी तैयारी का काम जारी है. अभी और कोई जानकारी नहीं दी जा सकती. इससे पहले, व्हाइट हाउस के एक प्रवक्ता ने गुरुवार (लोकल टाइम) को कहा कि अमेरिकी वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस आगे की बातचीत के लिए स्विट्जरलैंड नहीं जाएंगे, क्योंकि बातचीत का प्लान अभी फाइनल नहीं हुआ है. प्रवक्ता ने कहा कि एक डेलीगेशन पहले मौके पर जाने के लिए तैयार है. प्रवक्ता ने कहा कि जैसा कि वाइस प्रेसिडेंट ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आने वाली टेक्निकल बातचीत के प्लान अभी फाइनल नहीं हुए हैं, और स्र डेलीगेशन पहले मौके पर जाने के लिए तैयार है, लेकिन इन बातचीत का लॉजिस्टिक्स कभी भी आसान या अंदाजा लगाने लायक नहीं रहा है।

लेबनान समेत सभी मोर्चों पर जंग खत्म कराए; हिजबुल्लाह बोला- इजराइल का कब्जा मंजूर नहीं

ल अवीव/तेहरान, एजेंसी। रान ने कहा है कि लेबनान समेत भी मोर्चों पर जंग खत्म कराने की जिम्मेदारी अमेरिका की है। अगर समझौते का उल्लंघन होता है, तो सके लिए वॉशिंगटन को जिम्मेदार ाना जाएगा। अल जजीरा के ुताबिक, यह बयान ईरान के विदेश ंत्री अब्बास अराघची ने शुक्रवार ो पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक ार से फोन पर बातचीत में दिया। धर, इजराइल और हिजबुल्लाह के ीच युद्धविराम लागू होने की खबरों ु कुछ घंटे बाद हिजबुल्लाह प्रमुख ईम कासिम ने कहा कि संगठन जराइली कब्जे को कभी स्वीकार हीं करेगा। बेरूत में एक कार्यक्रम उन्होंने कहा कि हिजबुल्लाह ब्जे वाली जमीन को मुक्त कराने अपने लक्ष्य पर कायम है। संगठन ेबनान के संविधान के दायरे में काम करता है और विदेशी दबदबे को खारिज करता है। कासिम ने कहा, अगर दुश्मन हमारे खिलाफ हथियारों का इस्तेमाल करता है, तो हम भी हथियारों से जवाब देंगे।

ट्रम्प ने अमेरिका-ईरान समझौते पर सर्वे साझा किया : ट्रम्प ने क्वांटस इनसाइट्स का एक सर्वे साझा किया है, जिसमें अमेरिका-ईरान के शुरुआती समझौते पर लोगों की राय पूछी गई। इस समझौते में दोनों देशों के बीच तनाव रोकने, होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही फिर शुरू करने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम व प्रतिबंधों पर 60 दिनों तक बातचीत करने का प्रस्ताव शामिल है।

16-17 जून 2026 के बीच 1,000 संभावित वोटर्स पर किए गए इस सर्वे में 43% लोगों ने समझौते का जोरदार समर्थन किया, जबकि 13% ने कुछ हद तक समर्थन जताया। 16% लोगों ने न समर्थन किया और न विरोध, 15% ने कहा कि वे निश्चित नहीं हैं। वहीं, 8% लोगों ने इसका कड़ा विरोध किया और 5% ने कुछ हद तक विरोध जताया। ईरान ने फीफा वर्ल्ड कप आयोजकों पर भेदभाव का आरोप लगाया ईरानी फुटबॉल महासंघ के महासचिव हेदायत मोम्बेनी ने वर्ल्ड कप आयोजकों पर ईरान की टीम के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह वर्ल्ड कप के इतिहास का एक काला अध्याय है। ईरान की टीम फिलहाल मेक्सिको में ठहरी हुई है। टीम चाहती थी कि रविवार को लॉस एंजिलिस में बेल्जियम के खिलाफ होने वाले मैच से दो दिन पहले अमेरिका पहुंच जाए, क्योंकि मुकाबला स्थानीय समय के मुताबिक दोपहर 12 बजे शुरू होगा। लेकिन ईरानी फुटबॉल महासंघ का कहना है कि उसकी यह मांग ठुकरा दी गई। मोम्बेनी ने तिजुआना में टीम के ट्रेनिंग कैंप में पत्रकारों से कहा, 'यह एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है। हमारे साथ हुए समझौते और नियमों का इस तरह पालन नहीं होना फुटबॉल की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है।' हालांकि, अमेरिका ने ईरान के आरोपों को खारिज किया है। व्हाइट हाउस की फीफा टास्क फोर्स के प्रमुख एंड्र्यू जुलियानी ने कहा कि ईरान को पहले ही बता दिया गया था कि उसकी टीम को अपने मैच से सिर्फ एक दिन पहले ही अमेरिका में आने की अनुमति होगी।

मन की साधना

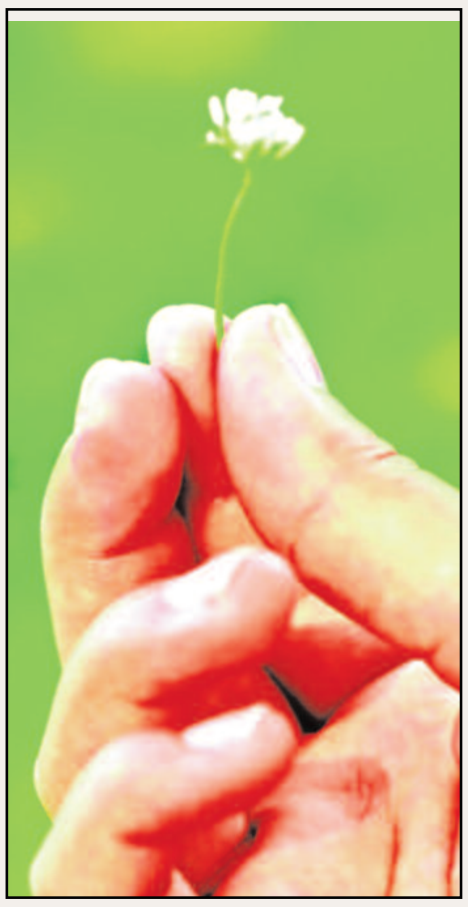

चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा- भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

गीता में है जीवन का ज्ञान

गीता का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अतः भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

ऊर्जा एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसे हम देख नहीं सकते, बल्कि उसका अनुभव कर सकते हैं। यही ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है।

विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

संक्षिप्त समाचार

केतन लाल हत्याकांड पर अल्मोड़ा में भारी आक्रोश

अल्मोड़ा। टिहरी जिला निवासी केतन लाल हत्याकांड से अल्मोड़ा में भारी आक्रोश है। हत्याकांड में शामिल दोषियों को सजा देने समेत राज्य में दलितों, कमजोर वर्गों और अल्पसंख्यकों पर बढ़ते अत्याचारों के विरोध में रविवार को उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी कार्यकर्ताओं ने गांधी पार्क में धरना दिया। नारेबाजी कर आक्रोश जताया। दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग उठाई।

मौके पर वक्ताओं ने कहा कि देश में भले ही अमृतकाल की बात की जा रही हो, लेकिन दलितों, किसानों, मजदूरों और बेरोजगारों के लिए परिस्थितियां चिंताजनक बनी हुई हैं। कहा कि उत्तराखंड में बीते वर्षों में दलितों के उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ी हैं। कहा कि जातीय भेदभाव और हिंसा के मामलों में कठोर कार्रवाई नहीं होने से अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

दलितों के उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ी

वक्ताओं ने सात जून को टिहरी के लंबगांव में केतन लाल की हत्या को जघन्य बताते हुए आरोपितों को शीघ्र सजा दिलाने की मांग उठाई। वहीं प्रदर्शनकारियों ने केतन लाल प्रकरण के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन, पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और घटना में घायल युवक के उपचार का पूरा खर्च सरकार की ओर से उठाने की मांग की।

यहां उपपा के संयोजक पीसी तिवारी, मदन लाल, किरन आर्या, आनंदी वर्मा, मोहम्मद वसीम, दीप चंद्र, गोपाल राम, हेमा पांडे, नारायण राम, भारती पांडे, अनीता कनवाल, डा. रेनू, हीरा देवी, वंदना कोहली, मुहम्मद साकिब, ममता जोशी समेत कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बागेश्वर के कौसानी में गुलदार का आतंक

बागेश्वर। बैजनाथ रेंज के कौसानी क्षेत्र में गुलदार का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार को दिनदहाड़े एक पेंटर पर गुलदार ने हमला कर दिया।

हमले में पेंटर घायल हो गया। उसकी चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोगों ने शोर मचाया, जिसके बाद गुलदार जंगल की ओर भाग गया। घायल का प्राथमिक उपचार कर उसे घर भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, 59 वर्षीय गोपाल राम पुत्र हरिराम, मूल निवासी बिंतोला, अल्मोड़ा, वर्तमान में कौसानी में किराये के कमरे में रहकर पेंटिंग का कार्य करते हैं। रविवार दोपहर भोजन करने के बाद वह काम पर जा रहे थे। इसी दौरान भतड़िया रोड पर लगभग डेढ़ बजे अचानक गुलदार ने उन पर हमला कर दिया। हमले में उनकी पीठ पर नाखून के गहरे निशान आए और वह घायल हो गए। गोपाल राम के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा हल्ला–गुल्ला किया। लोगों की आवाज सुनकर गुलदार जंगल की ओर भाग निकला। इसके बाद घायल को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कौसानी पहुंचाया गया, जहां उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। बैजनाथ रेंज के रेंजर महेंद्र सिंह गुंसाई ने बताया कि घायल की पीठ पर गुलदार के नाखूनों के निशान हैं। चिकित्सकीय परीक्षण के बाद उन्हें घर भेज दिया गया है।

क्षेत्र में वन विभाग की टीम गश्त बढ़ाएगी तथा लोगों को विशेषकर शाम और रात के समय अकेले आवागमन नहीं करने के प्रति जागरूक किया जाएगा। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार मुआवजा प्रदान किया जाएगा। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों ने वन विभाग से गुलदार की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण की मांग की है।

बागेश्वर की चंडिका पहाड़ियों में फिर लगी आग

बागेश्वर। जिला मुख्यालय से सटे भागरथी के चंडिका मंदिर की पहाड़ियों में शुक्रवार देर शाम एक बार फिर आग भड़क उठी।

प्रारंभिक तौर पर आग लगाने के पीछे अराजक तत्वों की भूमिका मानी जा रही है। आग फैलने से पहाड़ी क्षेत्र की हरियाली पर खतरा मंडरा गया है और आसपास के वातावरण में धुआं फैलने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

कई बार लग चुकी है आग

स्थानीय लोगों के अनुसार चंडिका मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र पूर्व में भी कई बार आग की चपेट में आ चुका है। इसके बावजूद आग लगाने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से उनके हौसले बुलंद हैं। क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग पिकनिक मनाने पहुंचते हैं, जबकि कुछ अराजक तत्व भी पार्क और आसपास के इलाकों में घूमते रहते हैं। पिछले तीन–चार दिनों से तेज धूप निकलने के कारण जंगलों में पिरूल सूखकर गिरने लगा है, जिससे आग लगने की घटनाओं की आशंका बढ़ गई है। देर शाम लगी आग के बाद नगर क्षेत्र में धुएं का गुबार फैल गया, जिससे लोगों को सांस लेने और आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि वनाग्नि सत्र 15 जून को समाप्त हो चुका है, फिर भी वन विभाग आग की घटनाओं पर नजर बनाए हुए है। बीते दिनों धर्मघर रेंज में लगी आग पर विभाग ने समय रहते काबू पा लिया था।

उत्साहपूर्वक मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग को जीवनशैली बनाने का दिया संदेश, आयुष मंत्रालय से मिला सहभागिता प्रमाण–पत्र

श्रीनगर (गढ़वाल), 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय में शनिवार प्रातः भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों तथा नगरवासियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर योग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गढ़वाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने प्रतिभागियों को नियमित योग अपनाने तथा स्वस्थ जीवनशैली विकसित करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक संतुलन का प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योग दिवस संदेश के सामूहिक श्रवण के साथ हुआ। इसके पश्चात निर्धारित कॉमन योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का सामूहिक अभ्यास किया गया। योगाभ्यास का संचालन डॉ. विनोद नौटियाल एवं डॉ. रजनी नौटियाल ने किया। कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. वाईपी रैवानी, डीन भर्ती एवं पदोन्नति प्रो. एम.एस. पंवार, मुख्य प्रॉक्टर प्रो. दीपक कुमार, मुख्य छात्रावास अधीक्षक प्रो. एस.एस. बिष्ट, टिहरी परिसर निदेशक प्रो. बौराई, चौरास परिसर निदेशक प्रो. आर.एस. नेगी सहित विश्वविद्यालय के अनेक वरिष्ठ शिक्षक एवं अधिकारी उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में राज्य युवा कल्याण सलाहकार परिषद के उपाध्यक्ष एवं राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त श्री विनोद सुयाल तथा उनकी समिति के सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए। योगाभ्यास के उपरांत विभागाध्यक्ष डॉ. अनुजा रावत ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया, जबकि अधिष्ठाता छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) प्रो. ओ.पी. गुसाईं ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं विश्वविद्यालय के लिए यह गौरव का विषय रहा कि आयुष मंत्रालय के ह्यसंगमह्ल पोर्टल पर पंजीकरण के उपरांत संस्थान को मंत्रालय की ओर से सहभागिता प्रमाण–पत्र भी प्राप्त हुआ। इसे विश्वविद्यालय की सक्रिय सहभागिता और योग के प्रति प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण प्रमाण माना जा रहा है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों का उल्लेखनीय योगदान रहा।

उत्तराखंड में मानसून में ड्रोन से होगी जंगल की निगरानी

हल्द्वानी। इस बरसात में जंगलों की रखवाली हाई टेक तरीके से की जाएगी। इसके लिए तराई पूर्वी वन प्रभाग जंगल में ड्रोन सेना उतारेगा। वन प्रभाग की सभी नौ रेंज में आधुनिक ड्रोन मौजूद हैं, जिनसे निगरानी के लिए जल्द ही वनकर्मियों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

दरअसल, बरसात के मौसम में जंगलों के अंदर के रास्ते गश्त करने लायक नहीं रहते हैं। इस कारण वनकर्मियों को जंगल के अंदर आवाजाही करने में अधिक समय लगता है। इन हालात का फायदा उठाने के लिए जंगल में तस्कर सक्रिय हो जाते हैं। इसी तरह नदी–नालों में बहकर लकड़ी भी आती है, जिसकी सुरक्षा भी जरूरी होती है।

ऐसे में मानसून में हाईटेक तरीके से ऊपर से ही जंगल की रखवाली की जा सकेगी। गौला से लेकर सुरई रेंज तक ये ड्रोन जंगल को महफूज रखेंगे। तराई पूर्वी वन प्रभाग के डीएफओ हिमांशु बागरी ने बताया कि मानसून में जंगल के अंदर हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए ड्रोन की मदद ली जाएगी। साथ ही गश्त के लिए वनकर्मी भी बढ़ाए जाएंगे।

गढ़वाल विवि की प्रवेश विवरणिका का हुआ लोकापर्ण

श्रीनगर (गढ़वाल), रविवार को आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम में गढ़वाल विवि के शैक्षणिक सत्र 2026–27 की प्रवेश विवरणिका का लोकापर्ण किया गया। प्रवेश विवरणिका में गढ़वाल विवि में संचालित पाठ्यक्रमों और नए सत्र से संचालित होने वाले पाठ्यक्रमों कि जानकारी दी गई है। जबकि इस बार प्रवेश विवरणिका में गढ़वाल विवि से सम्बद्ध कॉलेजो, महाविद्यालयों के नाम सहित फोन नम्बर और ईमेल आईडी में दशार्या गई है जिससे छात्रों के भीतर भ्रम की स्थिति पैदा न हो।

हैप्रेक की औषधीय एवं सगंध पादपों के कृषिकरण पर आधारित कृषक मार्गदर्शिका का विमोचन

श्रीनगर (गढ़वाल), गढ़वाल विवि के उच्च शिखरीय पादप कार्यिकी शोध केंद्र (हैप्रेक) द्वारा तैयार की गई उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पाई जाने वाली दुर्लभ औषधीय एवं सगंध पादपों के कृषिकरण पर आधारित कृषक मार्गदर्शिका का कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश द्वारा विमोचन किया गया। कृषक मार्गदर्शिका का लेखन हैप्रेक के निदेशक डॉ. विजकांत पुरोहित सहित डॉ. प्रदीप डोभाल, डॉ. जयदेव चैहान, डॉ. बबीता पाटनी, डॉ. विजय लक्ष्मी और डॉ. सुदीप चंद्र द्वारा किया गया है। पुस्तक के लेखन एवं प्रुव रीडिंग में डॉ. राजीव वशिष्ठ और कमलेश पंत ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। पुस्तक में उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पाई जाने वाली संकटग्रस्त औषधीय एवं सगंध पादपों की वैज्ञानिक खेती, संरक्षण, संवर्धन तथा उनके बाजारीकरण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां शामिल की गई हैं। इस मौके पर गढ़वाल विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने कहा कि हैप्रेक पिछले चार दशकों से हिमालयी औषधीय एवं संगध पादपों के संरक्षण और कृषिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। वैज्ञानिकों और फिल्ड स्टॉफ के अथक प्रयासों से कई संकटग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण एवं व्यावसायिक खेती को बढ़ावा मिला है। कहा कि यह मार्गदर्शिका किसानों, शोधार्थियों और औषधीय पादपों से जुड़े उद्यमियों के लिए उपयोगी साबित होगी। हैप्रेक के निदेशक डॉ. विजयकांत पुरोहित ने बताया कि पुस्तक के प्रकाशन में जैव प्रौद्योगिकी विभाग, राष्ट्रीय हिमालयन अध्ययन मिशन तथा राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के वित्तीय सहयोग कृषक मार्गदर्शिका तैयार की गई है।

रोजगारपरक शिक्षा से होगा विश्वविद्यालय का विकासः कुलपति

एक वर्ष में गढ़वाल विवि ने विकास के नए आयाम स्थापित किए, शिक्षकों की पदोन्नति, कर्मचारियों का स्थायीकरण और नई शैक्षणिक योजनाओं को मिली गति

श्रीनगर (गढ़वाल), हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को रोजगार, कौशल और जीवन की स्पष्ट दिशा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को अधोसंरचना, नवाचार और कौशल आधारित शिक्षा के माध्यम से नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा। यह बात उन्होंने चौरास परिसर स्थित एकेडमिक एक्टिविटी सेंटर में आयोजित उनके एक वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने पर आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम के दौरान कहीं। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में ऐसे अनेक विद्यार्थी हैं जो वर्षों तक अध्ययनरत रहते हैं, लेकिन उन्हें आगे की दिशा और अवसरों की पर्याप्त जानकारी नहीं मिल पाती। ऐसे में शिक्षकों की भूमिका केवल शिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें विद्यार्थियों के मेंटर के रूप में उनका मार्गदर्शन भी करना होगा, ताकि वे बेहतर करियर और अवसरों की ओर अग्रसर हो सकें। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की इंजीनियरिंग टीम द्वारा अधोसंरचना विकास की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है, जिसे शीघ्र ही केंद्र सरकार के संबंधित मंत्रालय को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि मजबूत आधारभूत सुविधाएं विकसित होने के बाद विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक प्रयोग, अनुसंधान गतिविधियां और नवाचारों को गति मिलेगी। प्रो. सिंह ने कहा कि चारों परिसरों की बढ़ती शैक्षणिक आवश्यकताओं को देखते हुए शिक्षकों और कर्मचारियों के नए पदों की मांग की गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिक्षक भर्ती प्रक्रिया शीघ्र आगे बढ़ेगी और जल्द ही रोस्टर प्रकाशित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बदलते समय की मांग को देखते हुए विश्वविद्यालय में रोजगारोन्मुख और कौशल आधारित पाठ्यक्रमों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए नए स्किल कोर्स शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। विशेष रूप से पर्वतीय क्षेत्रों के युवाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जोड़ने के लिए उद्यमिता आधारित पाठ्यक्रम विकसित किए जाएंगे। उत्तराखंड से लगातार हो रहे पलायन पर चिंता व्यक्त करते हुए कुलपति ने कहा कि प्रदेश के लगभग तीन हजार गांव खाली हो चुके हैं। विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी है कि वह ऐसी शिक्षा और कौशल प्रदान करे, जिससे स्थानीय युवाओं को अपने क्षेत्र में ही रोजगार और आजीविका के अवसर प्राप्त हो सकें। कुलपति ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का श्रेय पूरी टीम को देते हुए कहा कि कोई भी कुलपति अकेले विश्वविद्यालय का संचालन नहीं कर सकता। अधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों से ही संस्थान आगे बढ़ता है। उन्होंने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनकी कार्यशैली समस्याओं को लंबित रखने की नहीं, बल्कि उनका समाधान करने की रही है। कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की दिशा में लगातार कार्य किया गया है और आगे भी यह प्रयास जारी रहेगा। प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय को रोजगारपरक, कौशल–संपन्न और अधोसंरचना की दृष्टि से सशक्त बनाना उनकी प्राथमिकता है। विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य, विश्वविद्यालय के समग्र विकास तथा उत्तराखंड से पलायन की समस्या के समाधान के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। मौके पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओ.पी. गुसाईं ने कहा कि प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने 21 जून 2025 को कार्यभार ग्रहण करने के बाद विश्वविद्यालय में शैक्षणिक, प्रशासनिक और आधारभूत विकास को नई दिशा दी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को प्रभावी रूप से लागू करते हुए आवश्यक अध्यादेशों को स्वीकृत कराया गया तथा एनईपी सारथी न्यूजलेटर का शुभारंभ किया गया। बताया कि वर्षों से लंबित शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया को पुनः शुरू कर 127 शिक्षकों को पदोन्नति प्रदान की गई। वित्त अधिकारी एवं परीक्षा नियंत्रक के पदों पर नियुक्तियां हो चुकी हैं, जबकि कुलसचिव, पुस्तकालयाध्यक्ष और क्रीड़ा निदेशक सहित अन्य पदों की नियुक्ति प्रक्रिया जारी है। विश्वविद्यालय में पिछले दो दशकों से अधिक समय से कार्यरत दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के स्थायीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अब तक 132 कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। वहीं 30 शिक्षणेतर कर्मचारियों को विभागीय पदोन्नति दी गई है।

गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर लैंसडाउन तथा एसएसबी अकादमी श्रीनगर के साथ एमओयू कर प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा दिया गया। सीमा दर्शन कार्यक्रम के तहत शोधार्थियों एवं शिक्षकों ने सीमांत क्षेत्रों का अध्ययन कर सीमाभूमि दर्शन पुस्तक प्रकाशित की। एक वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय में सीडीएस जनरल अनिल चैहान, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, पर्यावरणविद् चंडी प्रसाद भट्ट तथा पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी जैसे विशिष्ट व्यक्तित्वों का आगमन भी हुआ।

उत्तराखंड के हल्द्वानी में घूम रहा औरतों के कपड़े चुराने वाला चोर

हल्द्वानी। शहर में चोरी की घटनाओं के बीच अब एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने लोगों को हैरान कर दिया है। वार्ड नंबर–9 आनंदपुरी महेशनगर में शनिवार अलसुबह एक युवक घर के बाहर सूख रहे कपड़े चोरी हो गए। पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया, जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

कपड़े समेटकर ले गया

स्थानीय लोगों के अनुसार शनिवार अलसुबह करीब 3:22 बजे एक अज्ञात युवक एक घर की दीवार फांदकर घर में घुसा और बिना किसी जल्दबाजी के कपड़े समेटकर ले गया। घर में लगे सीसीटीवी फुटेज में यह घटना कैद हो गई, कपड़े महिला के अधिक दिख रहे हैं।

घटना के बाद लोगों ने सवाल उठाए हैं कि यदि आवासीय क्षेत्रों में इस तरह कोई व्यक्ति बेखौफ होकर घूम सकता है तो सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता स्वाभाविक है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि पहले छोटी–मोटी चोरी की घटनाएं सामने आती थीं, लेकिन अब घरों के बाहर रखे सामान और सूखते कपड़ों तक को निशाना बनाए जाने से लोग असहज महसूस कर रहे हैं।

लोगों ने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने, संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान कर कार्रवाई की मांग की है। सीसीटीवी फुटेज इंटरनेट मीडिया में जमकर प्रसारित हो रही है।

प्रेमा ने भरी टीम इंडिया की उड़ान

बागेश्वर। उत्तराखंड के कपकोट के उच्च हिमालयी गांव सुमटी–बैसानी की पहाड़ियों पर दौड़ती वह छोटी–सी बच्ची आज भारतीय महिला क्रिकेट की नई पहचान बन चुकी है। कभी अपने भाइयों के साथ खेतों तथा घर के आंगन में क्रिकेट खेलने वाली प्रेमा रावत ने अपने सपनों को हकीकत में बदलकर न केवल बागेश्वर बल्कि पूरे उत्तराखंड का मान बढ़ाया है।

पड़ोसियों की भी सुनीं डांट

जब गांव की अधिकांश लड़कियां पारंपरिक गतिविधियों तक सीमित रहती थीं, तब प्रेमा के हाथों में बल्ला तथा गेंद हुआ करती थी। भाइयों के साथ खेलते–खेलते उन्होंने क्रिकेट के गुर सीखे। कई बार गेंद खेतों में चली जाती, कभी पड़ोसियों की डांट सुननी पड़ती, लेकिन खेल के प्रति उनका जुनून कभी कम नहीं हुआ।

बलिदानी लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी के घर पहुंचे सीएम धामीः नम आंखों से दी श्रद्धांजलि

अल्मोड़ा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रविवार को अल्मोड़ा पहुंचे। यहां जम्मू–कश्मीर के राजौरी क्षेत्र में सैन्य अभियान के दौरान बीते दिनों वीरगति को प्राप्त पांच असम रेजिमेंट के अधिकारी लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी के पांडेखोला स्थित आवास पहुंचे। पुष्पांजलि अर्पित की और स्वजन से भेंट कर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शोक संतृप्त परिवार को ढांढस बंधाया और परिवार को इस मुश्किल घड़ी में एकजुट होकर इस कठिन समय का सामना करने की हिम्मत दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की रक्षा में दिया गया लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी का सर्वोच्च बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा और यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही अल्मोड़ा में बलिदानी बीरेश्वर की स्मृति में भव्य गेट बनाया जाएगा। वहीं मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। यहां मेयर अजय वर्मा, दर्जा मंत्री गोविंद सिंह पिलखवाल समेत कई अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

सिमकनी मैदान में बच्चों से की मुलाकात

अल्मोड़ा दौरे पर पहुंचे सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सिमकनी मैदान में बच्चों से मुलाकात की। बच्चों से मिलने पहुंचे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा 28, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, डांडा नूरीवाला, सहस्रधारा रोड़, देहरादून उत्तराखण्ड से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जिला मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. UTTHIN/2005/16338

वैभव सूर्यवंशी ने रच दिया इतिहास...

-जड़ी लिस्ट-ए क्रिकेट की सबसे तेज फिफ्टी

दांबुला (एजेंसी)। श्रीलंका-ए के खिलाफ ट्राई सीरीज के खिताबी मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी का जलवा देखने को मिला। रविवार को दांबुला के रणगिरि दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में वैभव ने श्रीलंकाई गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। इंडिया-ए के लिए खेलने उतरे वैभव ने सिर्फ 11 बॉल पर फिफ्टी पूरी कर ली, जिसमें 5 छक्के और 5 चौके शामिल रहे। देखा जाए तो 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अर्धशतकीय आंकड़े तक पहुंचने के दौरान सिर्फ चौके-छक्के में डील किया और एक सिंगल तक नहीं लिया। 15 साल के वैभव ने तेज गेंदबाज दुलाज समुदिता की गेंद पर छक्का लगाकर अर्धशतकीय आंकड़े तक पहुंचे।

वैभव सूर्यवंशी अब लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक जमाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वैभव ने श्रीलंका के कौशल्या वीरारत्ने का 20 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। वीरारत्ने ने 1 नवंबर 2005 को रागामा क्रिकेट क्लब की ओर से खेलते हुए कुरुनेगला यूथ क्रिकेट क्लब के खिलाफ सिर्फ 12 बॉल पर फिफ्टी जमा दी थी। वैभव ने सरफराज खान द्वारा बनाए गए भारतीय रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। सरफराज ने विजय हजारे ट्रॉफी के पिछले सीजन में मुंबई की ओर से पंजाब के खिलाफ महज 15 गेंदों में अर्धशतक जड़ा था।

सबसे तेज लिस्ट-ए शतक जड़ने का मौका गंवाया

वैभव सूर्यवंशी सबसे तेज लिस्ट-ए शतक के रिकॉर्ड की बराबरी करने से भी बाल-बाल चूक गए। लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क के नाम पर है। जेक ने अक्टूबर 2023 में साउथ ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेलते हुए तस्मानिया के खिलाफ सिर्फ 29 बॉल पर शतक जमा दिया था। इस ट्राई सीरीज में फैन्स की निगाहें पूरी तरह वैभव सूर्यवंशी पर थीं। वैभव शुरुआती चार मुकाबलों में कुल मिलाकर 117 रन बना पाए थे। लेकिन खिताबी मुकाबले में उन्होंने कत्लेआम मचा दिया। वैभव अब आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर जाने वाले हैं, जहां उनका इंटरनेशनल डेब्यू होने की पूरी संभावना है।

भारतीय मुक्केबाजों का जलवा, यूरोपियन बॉक्सिंग गोल्ड टूर्नामेंट में जीते 8 गोल्ड समेत 12 पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने चेक गणराज्य में आयोजित 56वें ग्रां प्री उस्ती नाद लाबेम (यूरोपियन बॉक्सिंग गोल्ड टूर्नामेंट) में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 12 पदक अपने नाम किए। भारतीय मुक्केबाजों ने 8 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी ताकत का दमदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन ने 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स से पहले भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ा दिया है।

महिला मुक्केबाजों ने दिलाया चार गोल्ड

महिला वर्ग में लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा), प्रीति पंवार (54 किग्रा), साक्षी (51 किग्रा) और प्रिया (60 किग्रा) ने अपने-अपने फाइनल मुकाबले जीतकर स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं परवीन (65 किग्रा) को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। सिर्फ पांच खिलाड़ियों के साथ भारतीय महिला टीम ने चार गोल्ड और एक सिल्वर जीतकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

पुरुष खिलाड़ियों ने भी दिखाया दम

पुरुष वर्ग में जदुमनी सिंह मंडेंगबाम (55 किग्रा), सचिन (60 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा) और नरेंद्र (90 किग्रा) ने गोल्ड मेडल जीते। आदित्य प्रताप यादव (65 किग्रा) और कपिल पोखरिया (90 किग्रा) ने रजत पदक अपने नाम किए, जबकि सुमित कुंडू (70 किग्रा) ने कांस्य पदक जीता। भारत ने कुल 8 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य सहित 12 पदकों के साथ टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया।

अजय सिंह ने खिलाड़ियों को दी बधाई

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (क्ष्ब्नढ्ढ) के अध्यक्ष अजय सिंह ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि मजबूत अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के बीच यह उपलब्धि भारतीय बॉक्सिंग के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में भी इसी तरह का प्रदर्शन करेगी।

भारत के पदक विजेता

स्वर्णः साक्षी, प्रीति पंवार, प्रिया, लवलीना बोरगोहेन, जदुमनी सिंह मंडेंगबाम, सचिन, अंकुश, नरेंद्र

रजतः परवीन, आदित्य प्रताप यादव, कपिल पोखरिया

कांस्यः सुमित कुंडू।

बीसीसीआई ने इंग्लैंड दौरे के लिए घोषित की टीम, रोहित-कोहली की वापसी, यशस्वी बाहर हुए

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने इंग्लैंड दौरे में होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी शुभमन गिल के पास रहेगी। वहीं पिछले काफी समय से बाहर चल रहे अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की टीम में वापसी हो गयी है पर युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को टीम में जगह नहीं मिली है जिसपर सभी हैरान हैं। वहीं ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गये हैं। अफगानिस्तान सीरीज में अधिक रन नहीं बनाने के बाद भी रोहित की टीम में वापसी हुई है पर अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम एकदिवसीय में शतक के बाद भी यशस्वी को बाहर कर दिया गया है। कप्तान शुभमन गिल ने हाल ही में कहा था कि टीम चयन अंतिम फैसला खिलाड़ियों की फिटनेस व सर्वश्रेष्ठ संयोजन को ध्यान में रखकर लिया जाएगा। गौरतलब है कि आईपीएल 2026 फाइनल के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट से परेशान रहे विराट कोहली को टीम में शामिल किया गया है पर वह फिटनेस क्लियरेंस मिलने के बाद ही मैदान पर उतरेंगे। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी करीब तीन साल बाद एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है। उन्होंने अपना अंतिम एकदिवसीय मैच 2023 विश्व कप फाइनल में खेला था। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया है जबकि युवा प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और गुरनूर बरार को टीम में बनाये रखा है। गौरतलब है कि भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। एकदिवसीय सीरीज का पहला मुकाबला 14 जुलाई को बर्मिंघम, दूसरा 16 जुलाई को कार्डिफ और तीसरा 19 जुलाई को लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

टीम इस प्रकार है

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली*, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और गुरनूर बरार।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच नेशंस कप जीता

-प्रो लीग के अगले सत्र के लिए भी क्वालीफाई किया

ऑकलैंड (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच नेशंस कप में जीत के साथ ही अगले सत्र के लिए भी प्रो लीग में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने नेशंस लीग में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में मेजबान टीम न्यूजीलैंड को 2-0 से हराया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही भारतीय टीम ने एफआईएच महिला प्रो लीग के अगले सत्र के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। ये भारतीय हॉकी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। भारतीय टीम दूसरी बार इस टूर्नामेंट में विजेता बनी है।

खिताबी मुकाबले में शुरुआत से ही भारतीय टीम हावी रही। उसने न्यूजीलैंड को कोई अवसर नहीं दिया। मैच के चौथे मिनट में ही नवनीत कौर ने एक पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिलायी। इसके बाद 15वें मिनट में, सुनेलिता टोप्पो ने दूसरा गोल दाग दिया। इन दो शुरुआती गोलों के बाद मेजबान टीम दबाव में आ गयी। इसके बाद मेजबान टीम के किये हमले भारतीय रक्षापंक्ति ने विफल कर दिये। इससे कीवी टीम को वापसी का कोई अवसर नहीं मिला। इससे मेजबानों को 2-0 से हार का सामना करना पड़ा।

इस पूरे टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने अपने सभी मैच जीते। इससे उसकी निरंतरता का सबूत मिलता है। पूल चरण में टीम ने अमेरिका को 3-2 से, जापान को 2-1 से और उरुग्वे को 3-2 से हराया। इन करीबी जीतों से टीम का मनोबल बढ़ा है। इसके बाद सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने चिली को 6-0 के बड़े अंतर से हराया था। इसके बाद खिताबी मुकाबले में भी टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के लिए लालरेमसियामी को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला है। वहीं, टूर्नामेंट में भारत की ओर से दीपिका ने सबसे अधिक छह गोल किये।

टीम की इस शानदार उपलब्धि पर हॉकी इंडिया ने सभी खिलाड़ियों को 3-3 लाख रुपये और सहायोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 1.5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम के इस ऐतिहासिक प्रदर्शन की जमकर सराहना करते हुए इसे देश को गर्व का अनुभव हुआ है।

महिला टी20 विश्व : पाकिस्तान और नीदरलैंड बाहर हुई, भारतीय टीम का पहुंचना तय

लंदन (एजेंसी)। पाकिस्तान और नीदरलैंड की टीम इंग्लैंड एंड वेल्स में जारी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट में अपने-अपने मुकाबले हारने के साथ ही बाहर हो गयी है। वहीं अब ग्रुप ए से केवल भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ में बनी हुई है। वहीं लीग मैचों के आधे पड़ाव तक पहुंचते-पहुंचते दो टीमों का सफर समाप्त हो गया है। ग्रुप ए से पाकिस्तान और नीदरलैंड की टीमों को बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही ये टीमें बाहर हो गयीं। इन हारों के साथ ही पाकिस्तान और नीदरलैंड दोनों टीमें अपने तीन-तीन लीग मैच हारी हैं। उसके दो-दो मुकाबले अभी बाकी हैं पर अब वह छह अंकों के सेमीफाइनल क्वालिफिकेशन मार्क तक नहीं पहुंच पाएंगी। वहीं ग्रुप ए की अंकतालिका को देखें तो ऑस्ट्रेलिया ने तीन में से तीन मैच जीतकर 6 अंकों के साथ लगभग सेमीफाइनल के लिए प्रवेश हासिल किया है जबकि भारतीय टीम अपने दो मैच जीतकर 4 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। तीसरे स्थान पर बांग्लादेश है, जिसके तीन मैचों में दो जीत और एक हार के साथ 4 अंक हैं। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका एक जीत और एक हार के साथ 2 अंकों पर चौथे स्थान पर है।

रूट टेस्ट क्रिकेट में 14 हजार रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने

लंदन । इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी टेस्ट क्रिकेट के दूसरे ही मैच में अपने 14 हजार रन पूरे करने के साथह ही में एक और मील का पत्थर छू लिया है। इस शानदार उपलब्धि के साथ वह टेस्ट क्रिकेट में 14 हजारी बनने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलबब्धि केवल महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम थी। अब रुट उनके विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने के बेहद करीब जो रूट पहुंच रहे हैं। कीवी टीम के खिलाफ इंग्लैंड की दूसरी पारी में जैसे ही रूट ने अपना दूसरा रन लिया, उनके टेस्ट क्रिकेट में 14,000 हजार रन पूरे हो गये। मैच में चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक रूट ने 75 रन बनाए थे।

पेरी 50 टी20 विश्व कप मैच खेलने वाली पहली क्रिकेटर बनीं

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी 50 टी20 विश्वकप मैच खेलने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गयी हैं। पेरी ने क्रिकेट जगत में एक ऐसा ऐतिहासिक रिकार्ड बनाया है। जो आज तक किसी भी पुरुष या महिला क्रिकेटर के नाम नहीं है। साउथेम्प्टन में जारी महिला टी20 विश्व कप 2026 में नीदरलैंड्स के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के 14वें मैच के दौरान ही पैरी ने ये रिकार्ड बनाया। अब टी20 विश्व कप (पुरुष और महिला दोनों को मिलाकर) सबसे ज्यादा मैच खेलने के मामले में पेरी नंबर एक पर पहुंच गयी हैं। पेरी ने साल 2009 में इस टूर्नामेंट की शुरुआत से लेकर अभी तक कुल 50 मैच खेले हैं। इस सूची में भारतीय पुरुष टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा भी पेरी से पीछे हैं। रोहित ने साल 2007 से 2024 के बीच 47 टी20 विश्व कप मैच खेले थे। पेरी ने महिला क्रिकेट की बात करें तो न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के अलावा , इंग्लैंड के पुरुष क्रिकेटर जोस बटलर और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन को भी पीछे छोड़ दिया है। इन सभी के नाम 43-43 मैचों का रिकार्ड है। वहीं ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली के नाम 42 मैच हैं, जबकि भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज डेविड वार्नर 41-41 मैचों के साथ इस सूची में नंबर एक पर हैं। पेरी के नाम कई अन्य रिकार्ड भी हैं। वह पुरुष और महिला क्रिकेट में 1,000 रन बनाने और 100 विकेट लेने वाली दुनिया की पहली खिलाड़ी हैं। इसके अलावा, महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में वह सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर हैं।

फीफा वर्ल्ड कप: जापान ने ट्यूनीशिया को 4-0 से रौंदा, नॉकआउट के करीब पहुंची टीम

एस्टाडियो मॉन्टेरे (मेक्सिको) (एजेंसी)। एस्टाडियो ़ फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप ए मुकाबले में जापान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्यूनीशिया को 4-0 से करारी शिकस्त दी। इस दमदार जीत के साथ जापानी टीम नॉकआउट चरण में पहुंचने के बेहद करीब पहुंच गई है, जबकि ट्यूनीशिया का टूर्नामेंट से सफर समाप्त हो गया।

यह मुकाबला फीफा विश्व कप के इतिहास का 1000वां मैच भी था और जापान ने इसे यादगार बना दिया। टीम ने विश्व कप इतिहास में अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की, साथ ही विश्व कप के एक मैच में चार गोल करने वाला पहला एएफसी देश बनने का गौरव भी हासिल किया।

जापान ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। डाइची कामादा ने चौथे मिनट में गोल दागकर विश्व कप में जापान की ओर से सबसे तेज गोल करने का रिकॉर्ड बनाया। कीटो नाकामुरा के शानदार क्रॉस पर उन्होंने आसान फिनिश किया।

इसके बाद अयासे उएदा ने 30वें मिनट में शानदार लो-ड्राइव शॉट के जरिए जापान की बढ़त 2-0 कर दी। हाफ टाइम तक जापानी टीम पूरी तरह मुकाबले पर हावी रही।

दूसरे हाफ में भी जापान का दबदबा जारी रहा। जुन्या इतो ने 69वें मिनट में बेहतरीन गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। इसके बाद 83वें मिनट में उएदा ने हेडर के जरिए अपना दूसरा और टीम का चौथा गोल दागकर ऐतिहासिक जीत पर मुहर लगा दी।

इस जीत के बाद जापान ग्रुप ए में नीदरलैंड्स के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है, जबकि लगातार दूसरी हार झेलने के बाद ट्यूनीशिया टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

शुभमन ने यशस्वी को बेहतरीन बल्लेबाज बनाया

-टीम में कई बार जगह नहीं मिलने का भी कारण बताया

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में शतक लगाकर टीम की जीत में हम भूमिका निभाने वाले बल्लेबाज सशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है। यशस्वी ने इस मैच में 110 रनों की पारी खेली। भारतीय टीम ने इस मैच में टीम ने 9 विकेट से जीत के साथ ही सीरीज अपने नाम की। मैच में यशस्वी ने अपने एकदिवसीय करियर का दूसरा शतक जड़ा। यह उपलब्धि उन्होंने केवल छठी पारी में हासिल की

जीत के बाद, शुभमन ने यशस्वी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि टीम में कड़ी प्रतिस्पर्धा होने के कारण कई बार यशस्वी को बाहर बैठना पड़ा है पर इसका मतलब प्रदर्शन से नहीं है। शुभमन ने यशस्वी को एक बेहतरीन और शानदार खिलाड़ी करार दिया। साथ ही माना है कि टीम में जगह को लेकर होने वाली कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण कभी-कभी उन्हें बाहर बैठना पड़ता है। गिल ने कहा, हम सभी भली-भांति जानते हैं कि वह एक बेहतरीन और शानदार खिलाड़ी हैं। किसी भी खिलाड़ी के लिए टीम से बाहर बैठना आसान नहीं होता। सच तो यह है कि अगर टीम के सभी मुख्य खिलाड़ी उपलब्ध हों, तो यशस्वी वह बदकिस्मत खिलाड़ी बन जाते हैं जिन्हें कभी-कभी अंतिम ग्यार से बाहर बैठना पड़ता है। कप्तान ने इस बात पर खुशी जताई कि जायसवाल ने इस श्रृंखला में मिले मौकों को बखूबी भुनाया और भविष्य में भी इसी तरह के बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

टीम के संयोजन को मजबूत करने के लिए शुभमन ने सीरीज के आखिरी दो मैचों में हुए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। गिल ने ऐसा इसलिए किया ताकि यशस्वी नियमित कप्तान रोहित के साथ पारी की शुरुआत कर सकें। कप्तान का यह प्रयोग बेहद सफल रहा, जहां रोहित ने भी 79 रनों की एक परिपक्व पारी खेलते हुए यशस्वी के साथ पहले विकेट के लिए 170 रनों की विशाल साझेदारी की।

अभय-वेलवन की पाकिस्तान के खिलाफ शानदार जीत, भारत ने लगातार तीसरी बार जीता स्क्वाश का खिताब

नई दिल्ली । भारत के अभय सिंह और वेलवन सेंथिलकुमार की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने मलेशिया के सारावाक में आयोजित एशियाई युगल स्क्वाश चैंपियनशिप में इतिहास रच दिया। भारतीय जोड़ी ने पुरुष युगल का खिताब लगातार तीसरी बार अपने नाम कर महाद्वीपीय स्तर पर अपना दबदबा कायम रखा।

पाकिस्तान के खिलाफ शानदार वापसी- फाइनल मुकाबले में भारत की जोड़ी ने एक गेम गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी की। अभय और वेलवन ने पाकिस्तान की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी नासिर इकबाल और नूर जमां को 47 मिनट में 7-11, 11-7, 11-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पिछले साल भी भारतीय जोड़ी ने फाइनल में इसी पाकिस्तानी जोड़ी को मात दी थी।

भारत की झोली में आए तीन पदक- पुरुष युगल में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा भारत ने दो कांस्य पदक भी हासिल किए। अनुभवी खिलाड़ी जोशना चिनप्पा और रथीका सीलन की महिला युगल जोड़ी सेमीफाइनल तक पहुंचकर कांस्य पदक जीतने में सफल रही। वहीं, मिश्रित युगल में जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार ने भी कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत की दूसरी महिला युगल जोड़ी जेनेट विधि और पूजा आरती छठे स्थान पर रही।

इंग्लैंड के क्रिकेटर बेथल भारतीय लड़की से प्रेम कहानी को लेकर चर्चाओं में आये

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज जैकब बेथल आजकल खेल की जगह पर एक भारतीय लड़की के साथ अपनी कथित प्रेम कहानी को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। सोशल मीडिया पर इस लड़की के साथ उनकी एक तस्वीर तेजी से वायरल हो रही है। इसमें वह इस लड़की के साथ बेहद दिख रहे हैं। यह तस्वीर इसी साल अप्रैल में हुए आईपीएल के 19 वे सत्र की है। इसमें बेथल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेल रहे थे। इस तस्वीर को देखकर प्रशंसक हैरान और जानना चाहते हैं कि ये कौन है। इस तस्वीर में बेथल के साथ दिख रही खूबसूरत लड़की का नाम अंकिता पटेल है। अंकिता एक जानी-मानी सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट हैं, उसने बॉलीवुड के कई बड़े सितारों के साथ काम किया है। यह तस्वीर स्वंय अंकिता के सोशल मीडिया अकाउंट से ही शेयर की गई थी, जिसने सोशल मीडिया पर प्रशंसक हैरान हैं। वहीं अंकिता ने अब तक इस क्रिकेटर के साथ अपने रिश्ते को लेकर कुछ नहीं कहा है पर इस तस्वीर से लगता है कि कि दोनो एकदूसरे के बेहद करीब हैं। के बीच नजदीकियों की कहानी बयां कर रही है। प्रशंसक इस नई जोड़ी को लेकर काफी उत्साहित हैं। गौरतलब है कि जैकब बेथल का आईपीएल 2026 में रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हुए उन्हें कुल 7 मैचों में मौका मिला, लेकिन वह सिर्फ 96 रन ही बना पाए। इस दौरान खराब फॉर्म के कारण उन्हें सत्र के बीच में ही स्वेदश लौटना पड़ा था। अभी वह न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड टीम के दल में शामिल हैं। बेथल ने इंग्लैंड के लिए 7 टेस्ट, 21 एकदिवसीय और 31 टी20 खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम अबतक 496 रन जबकि एकदिवसीय में 603 रन हैं। टी20 में बेथल ने 697 रन बनाये हैं।

फीफा विश्व कप 2026 में गुलाबी जूतों का छाया जादू, दुनिया के स्टार फुटबॉलरों की बनी पहली पसंद

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 में जहां दुनिया के दिग्गज खिलाड़ी अपने शानदार खेल से सुर्खियां बटोर रहे हैं, वहीं इस बार एक नया ट्रेंड भी चर्चा का केंद्र बन गया है। टूर्नामेंट में गुलाबी रंग के फुटबॉल जूते खिलाड़ियों की पहली पसंद बनकर उभरे हैं और मैदान पर हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं।

अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की मेजबानी में खेले जा रहे विश्व कप में कई स्टार खिलाड़ी गुलाबी रंग के जूते पहनकर मैदान में उतर रहे हैं। अमेरिका के जियो रेना, ब्राजील के विनीसियस जूनियर, फ्रांस के कप्तान किलियान एमबाप्पे और इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन जैसे बड़े नाम इसी रंग के जूतों में नजर आए।

जियो रेना ने विश्व कप के शुरुआती मैच में अमेरिका के लिए यादगार गोल दागा, जबकि विनीसियस जूनियर ने ब्राजील के पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। वहीं एमबाप्पे ने दो गोल कर फ्रांस के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले खिलाड़ी का रिकॉर्ड अपने नाम किया। हैरी केन ने भी दो गोल दागकर इंग्लैंड के रिकॉर्ड की बराबरी की। इन सभी खिलाड़ियों में एक समानता रही—सभी ने गुलाबी रंग के जूते पहने थे।

मैदान की हरी घास पर गुलाबी जूते दूर से ही अलग दिखाई देते हैं। यही वजह है कि कई बड़ी स्पोर्ट्स कंपनियों ने इस विश्व कप से पहले इनका विशेष डिजाइन तैयार किया। नाइकी के ग्लोबल फुटवियर निदेशक ओडिंगा निमाको के अनुसार खिलाड़ी गुलाबी रंग को आत्मविश्वास, ऊर्जा और अलग पहचान के प्रतीक के रूप में देखते हैं। दर्शकों के बीच भी यह रंग तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। उन्होंने बताया कि 1998 विश्व कप में पहली बार रंगीन फुटबॉल जूतों ने लोगों का ध्यान खींचा था। उससे पहले काले और सफेद रंग के जूतों का ही अधिक इस्तेमाल होता था। अब समय बदल चुका है और नाइकी, एडीडास, प्यूमा, स्केचर्स और न्यू बैलेंस जैसी दिग्गज कंपनियां भी गुलाबी रंग के जूते बाजार में उतार चुकी हैं।

ऐसे में फीफा विश्व कप 2026 में शानदार गोलों के साथ-साथ गुलाबी जूतों का यह नया ट्रेंड भी दुनियाभर के फुटबॉल प्रेमियों के बीच चर्चा का बड़ा विषय बन गया है।